नई दिल्ली ■ रविवार, 13 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 13 ■ पृष्ठ 12

जनभावना टाइम्स

JBT
www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 बांग्लादेश: घातक साबित होगा भारत का कूटनीतिक प्रहार | 07 रोहित शर्मा और राहुल पर होगी निगाह | बॉलीवुड डेब्यू करेंगी रिद्धिमा कपूर 06

TUITION TIGER
learn smart

LIVE Online Interactive Classes

Class 6th to Class 12th

Batch Start Date 14 April 2025

ADMISSION OPEN

Trial Classes From 14th April

REGISTER NOW

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 9220 90 5919

TUITION TIGER

learn smart

PREMIUM LIVE BATCHES

(only 30 Students per Batch)

CLASS 6 NEEV

CLASS 7 PRAKHAR

CLASS 8 VIRAJ

Fee Rs. 24,000/- Per Course

CLASS 9 PARAKRAM

CLASS 10 PRAKET

Fee Rs. 30,000/- Per Course

CLASS 11 TEJAS (PCM)

CLASS 11 PRAVAAH (PCB)

CLASS 12 ADITYA (PCM)

CLASS 12 AYUR (PCB)

Fee Rs. 36,000/- Per Course

LIVE CLASSES

CLASS 6 EXCEL

CLASS 7 PULSE

CLASS 8 AVENGER

Fee Rs. 2,400/- Per Course

CLASS 9 HECTOR

CLASS 10 HERCULES

Fee Rs. 3,000/- Per Course

CLASS 11 HERMES (PCM)

CLASS 11 ZENITH (PCB)

CLASS 12 APOLLO (PCM)

CLASS 12 CATALYST (PCB)

Fee Rs. 3,600/- Per Course

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 9220 90 5919

नई दिल्ली ■ रविवार, 13 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 13 ■ पृष्ठ 12

JBT

जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 बांग्लादेश: घातक साबित होगा भारत का कूटनीतिक प्रहार | 07 रोहित शर्मा और राहुल पर होगी निगाह | बॉलीवुड डेब्यू करेंगी रिद्धिमा कपूर 06

देशभर में हर्षोल्लास और धार्मिक अस्था के साथ मनाई गई हनुमान जयंती

नई दिल्ली। देशभर में शनिवार को हनुमान जयंती पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान कई स्थानों पर शोभा यात्रा निकाली गई और हनुमान जी की आरती की गई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हनुमान जयंती के मौके पर शालीमारबाग निर्वाचन क्षेत्र के एक मंदिर में भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने भगवान हनुमान से प्रार्थना की है कि वे 'विकसित दिल्ली' के लिए भाजपा सरकार के प्रयासों को आशीर्वाद दें। गुप्ता ने करोल बाग में संकट मोचन हनुमान मंदिर में भी दर्शन किए।

इस बीच, एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने 'संवेदनशीलता और कानून-व्यवस्था' के मद्देनजर उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) को शोभा यात्रा निकालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

पिछले साल सांप्रदायिक हिंसा से प्रभावित उत्तर प्रदेश के संभल शहर में भी शनिवार को हनुमान जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। कड़ी सुरक्षा के बीच हल्लू सराय स्थित श्री बाला जी मंदिर से जय बजरंगबली के जयघोष के साथ शोभा यात्रा निकाली गई और यह कई इलाकों से गुजरी। हल्लू सराय स्थित श्री बाला जी मंदिर में सुबह से ही भक्ति कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई। शहर भर में और शोभायात्रा के मार्ग पर पुलिस और 'प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी' (पीएसी) के जवानों की भारी संख्या में तैनाती की गई थी।

हनुमान जयंती के अवसर पर वाराणसी के मंदिरों में रंग-बिरंगी सजावट की गई, सुबह से ही आरती, भक्ति गीत और रामचरितमानस का पाठ किया गया। कई स्थानीय समितियों ने शोभायात्राएं निकालीं, जबकि वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने शांति व सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शहर में गश्त की। समारोह के प्रमुख केंद्र, प्रसिद्ध संकट मोचन मंदिर में विशेष व्यवस्था की गई थी।

संकट मोचन मंदिर के महंत प्रोफेसर विशंभर नाथ मिश्रा ने बताया कि हनुमान जयंती के अवसर पर मंदिर परिसर में भगवान हनुमान का विशेष श्रृंगार, झांकी, पूजा और आरती की जा रही है। सुबह की शुरुआत शहनाई वादन, ब्राह्मण पुजारियों द्वारा रुद्राभिषेक, रामचरितमानस के पाठ, सीता-राम कीर्तन और वाल्मीकि रामायण के सुंदरकांड से हुई।

पश्चिम बंगाल में कई जगहों पर भाजपा के नेताओं और अन्य संगठनों ने कड़ी सुरक्षा के बीच हनुमान जयंती मनाई। सूत्रों ने बताया कि भाजपा और अन्य संगठनों ने कोलकाता में करीब 60 जगहों पर पूजा व हनुमान चालीसा का पाठ किया। सिलीगुड़ी, आसनसोल, पुरुलिया और दुर्गापुर सहित राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर भी हनुमान जयंती मनाई गई। तेलंगाना के हैदराबाद में, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) नेता और पूर्व भाजपा सांसद रामविलास वेदांती ने गौलीगुड़ा स्थित हनुमान मंदिर में बजरंग दल द्वारा आयोजित हनुमान जयंती 'शोभा यात्रा' की शुरुआत की।

'जय श्री राम' के नारों के बीच हजारों युवाओं ने शोभा यात्रा में हिस्सा लिया। वेदांती ने कामना की कि नरेंद्र मोदी चौथी बार प्रधानमंत्री बनें और देश 'हिंदू राष्ट्र' बने। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस अवसर पर इंदौर में पितृ पर्वत पर पूजा-अर्चना की। महाराष्ट्र में पुलिस ने बताया कि नासिक जिले में अंजनेरी पहाड़ी पर मधुमक्खियों के झुंड के हमले में कई श्रद्धालु मामूली रूप से घायल हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे हुई जब पहाड़ी पर स्थित मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ थी। नासिक से लगभग 20 किलोमीटर दूर अंजनेरी को भगवान हनुमान का जन्मस्थान माना जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, 'देशवासियों को हनुमान जयंती की ढेरों शुभकामनाएं। संकटमोचन की कृपा से आप सभी का जीवन सदैव स्वस्थ, सुखी और संपन्न रहे, यही कामना है।' महाकाव्य 'रामायण' में भगवान राम के भक्त और शक्तिशाली योद्धा के रूप में वर्णित भगवान हनुमान पूरे देश में पूजनीय हैं।

वक्फ कानून: मुर्शिदाबाद में हालात तनावपूर्ण, भड़की हिंसा में 2 की मौत

पश्चिम बंगाल में वक्फ (संशोधन) अधिनियम लागू नहीं किया जाएगा: मुख्यमंत्री बनर्जी

पश्चिम बंगाल में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि वक्फ (संशोधन) अधिनियम राज्य में लागू नहीं किया जाएगा। बनर्जी ने कहा कि यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है और उससे जवाब मांगा जाना चाहिए। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'सभी धर्मों के लोगों से मेरी विनम्र अपील है कि कृपया शांत रहें, संयमित रहें। धर्म के नाम पर किसी भी अधार्मिक गतिविधि में शामिल न हों। हर इंसान की जान कीमती है; राजनीति के लिए दंगे न भड़काएं। जो लोग दंगे भड़का रहे हैं, वे समाज को नुकसान पहुंचा रहे हैं।' मुख्यमंत्री ने कहा कि याद रखें, हमने वह कानून नहीं बनाया, जिस पर बहुत से लोग भड़के हुए हैं। यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है। इसलिए आप जो जवाब चाहते हैं, वह केंद्र सरकार से मांगना चाहिए। उन्होंने पूछा कि हमने इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है - हम इस कानून का समर्थन नहीं करते। यह कानून हमारे राज्य में लागू नहीं होगा। तो दंगा किस लिए। बनर्जी ने कहा कि दंगा भड़काने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम किसी भी हिंसक गतिविधि का समर्थन नहीं करते। कुछ राजनीतिक दल राजनीतिक लाभ के लिए धर्म का दुरुपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके बहकावे में न आएं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि धर्म का मतलब मानवता, सद्भावना, सभ्यता और सद्भाव है। मैं सभी से शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील करती हूं।

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ एक्ट के विरोध में हुए प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। शमशेरगंज इलाके में शुक्रवार रात शुरू हुई झड़पों के बाद दो लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने अब तक 118 लोगों को गिरफ्तार किया है। हिंसा के बाद जिले में तनाव का माहौल बना हुआ है। जंगीपुर क्षेत्र में शनिवार को प्रदर्शनकारियों ने वाहनों में आगजनी की और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। कई जगहों पर पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिंसा प्रभावित शमशेरगंज क्षेत्र में जाफराबाद स्थित एक घर में पिता और पुत्र के शव बरामद किए गए जिनके शरीर पर चाकू से वार के निशान थे। अधिकारी ने पुष्टि की कि दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों अपने घर के अंदर अचेत अवस्था में जमीन पर पड़े मिले और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया गया।

पीड़ितों के परिवार ने आरोप लगाया कि अपराधियों ने उनके घर में लूटपाट की और दोनों पर चाकू से प्रहार किया। अधिकारी ने कहा कि जांच जारी है और हम हत्याओं में शामिल लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। हमने परिवार के अन्य सदस्यों और स्थानीय निवासियों से पूछताछ की है।

एक अलग घटना में, शमशेरगंज खंड के धुलियान में एक अन्य व्यक्ति को गोली मार दी गई। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में और उसके आसपास गश्त बढ़ा दी और शांति मार्च निकाला। जिला प्रशासन के सूत्रों ने बताया कि एक बीड़ी कारखाने के कर्मचारी को उस वक्त गोली मार दी गई जब वह काम पर जा रहा था। अधिकारी ने पुष्टि की कि उसकी हालत स्थिर है और उसका इलाज मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में किया जा रहा है, जहां उसे जंगीपुर अस्पताल से लाया गया था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) जावेद शमीम ने बताया कि शुक्रवार को मुर्शिदाबाद जिले के विभिन्न हिस्सों में झड़पों के दौरान 15 पुलिसकर्मी घायल हो गए। उल्लेखनीय है कि मुर्शिदाबाद में जब पश्चिम बंगाल पुलिस हिंसा को संभालने में विफल रही तो बीएसएफ से मदद मांगी गई।

त्रिपुरा: वक्फ कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन में 18 पुलिसकर्मी घायल, आठ प्रदर्शनकारी गिरफ्तार

अगरतला। त्रिपुरा के उनाकोटी जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को वापस लेने की मांग को लेकर आयोजित विरोध रैली के हिंसक हो जाने के बाद एक एसडीपीओ सहित कम से कम 18 पुलिसकर्मी घायल हो गए। कुबजर इलाके में हुई हिंसा में घायल पुलिसकर्मियों में कैलाशहर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) जयंत कर्माकर भी शामिल हैं। पुलिसकर्मियों पर हमले में कथित संलिप्तता के लिए आठ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। कांग्रेस के उनाकोटी जिला अध्यक्ष मोहम्मद बदरुज्जमां की अगुवाई में 'संयुक्त आंदोलन समिति' के बैनर तले लगभग 4,000 लोगों ने अधिनियम को रद्द करने की मांग को लेकर रैली निकाली। कैलाशहर पुलिस थाने के प्रभारी सुकांत सेन चौधरी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई। जल्द ही स्थिति हिंसक हो गई और प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर और बोतलें फेंकनी शुरू कर दीं। हमले में एसडीपीओ जयंत कर्माकर समेत कम से कम 18 पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख पुलिस ने हिंसक प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। अधिकारी ने कहा कि हमने पुलिसकर्मियों पर हमले को लेकर प्राथमिकी दर्ज की है। अब तक इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। विस्तृत जांच जारी है। बाद में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए बदरुज्जमां ने दावा किया कि उन्होंने शांतिपूर्ण रैली का आयोजन किया था। बदरुज्जमां ने कहा कि लेकिन निहित स्वार्थ वाले एक समूह ने हमें बदनाम करने के लिए हमारी शांतिपूर्ण रैली को हिंसक बना दिया।

छत्तीसगढ़: बीजापुर में 5 लाख रुपये के इनामी समेत तीन नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में पांच लाख रुपये के इनामी नक्सली कमांडर समेत तीन नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि जिले के इंद्रावती क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जंगलों में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने नक्सली कमांडर अनिल पूनेम समेत तीन नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि नक्सली पूनेम पर पांच लाख रुपये का इनाम था।

बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि इंद्रावती क्षेत्र के अंतर्गत जंगल में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा, एसटीएफ (विशेष कार्य बल) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कोबरा बटालियन के दल को नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना किया गया था। यादव ने बताया कि अभियान के दौरान शनिवार सुबह करीब नौ बजे इंद्रावती क्षेत्र के जंगल में सुरक्षाबलों के संयुक्त दल और माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई, जो रुक-रुक कर लगातार जारी है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में अंबेली गांव में हुए विस्फोट के मास्टरमाइंड माटवाड़ा एलओएस कमांडर अनिल पूनेम को मार गिराया। उन्होंने बताया कि पूनेम जनवरी में बीजापुर के अंबेली गांव के पास नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट का मास्टरमाइंड था। पुलिस के मुताबिक, छह जनवरी को नक्सलियों ने 60 से 70 किलोग्राम वजनी बारूदी सुरंग का उपयोग कर एक वाहन में विस्फोट कर दिया था, जिसमें आठ सुरक्षाकर्मी और वाहन चालक की मृत्यु हो गई थी। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ स्थल से 12 बोर की तीन राइफल, अन्य हथियार और विस्फोटक बरामद किये हैं। यादव ने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए दो अन्य नक्सलियों की शिनाख्त की जा रही है।

आठ नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, दो नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा/सुकमा। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा और सुकमा जिलों में आठ नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया जबकि दो नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया कि जिले में आठ नक्सलियों ने पुलिस और अर्धसैनिक बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया, जिनमें से दो नक्सलियों पर इनाम है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में मंगडू मड़काम और देवा राम पर 50-50 हजार रुपये का इनाम था। राय ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50-50 हजार रुपये की सहायता दी गई है और सरकार की नीति के अनुसार उनका पुनर्वास किया जाएगा। एक अन्य घटना में सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र के तहत सुरपनगुड़ा गांव के जंगल में सुरक्षाबलों ने कुहराम हड़मा और बारसे हिड़मा नामक दो नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया। हड़मा के सर पर दो लाख रुपये का इनाम है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों नक्सलियों को अदालत ने जेल भेज दिया है।

झारखंड में टीएसपीसी के 6 नक्सली गिरफ्तार

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में प्रतिबंधित तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) नामक प्रतिबंधित संगठन के छह नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में स्वयंभू 'सब-जोनल कमांडर' नारायण भोक्ता उर्फ आदित, आलोक यादव उर्फ अमरेश यादव, 'एरिया कमांडर' अमित दुबे उर्फ छोटे बाबा, महेंद्र ठाकुर, इमरान अंसारी और संजय शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि माओवादी समूह टीएसपीसी के सदस्यों को शुक्रवार को बालूमाथ पुलिस थाने के अंतर्गत हेसाबार-भांग वन क्षेत्र में एक अभियान के दौरान पकड़ा गया। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों के पास से चार राइफल, एक रिवॉल्वर और 1,102 कारतूस जब्त किए गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

सोशल मीडिया पर परीक्षाफल घोषित किए जाने की सूचना भ्रामक: यूपी बोर्ड

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम 15 अप्रैल को घोषित किए जाने की सूचना का शनिवार को खंडन किया। यूपी बोर्ड की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा का परिणाम 15 अप्रैल को अपराह्न दो बजे घोषित किए जाने की सूचना प्रसारित की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सूचना पूरी तरह से असत्य और भ्रामक है। माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा उचित समय पर परीक्षा परिणाम से संबंधित जानकारी परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रख्यात कथक नृत्यांगना कुमुदिनी लाखिया का हुआ निधन

अहमदाबाद। प्रख्यात कथक नृत्यांगना और कोरियोग्राफर कुमुदिनी लाखिया का शनिवार को उनके आवास पर उम्र संबंधी बीमारी के कारण निधन हो गया। वह 95 वर्ष की थीं। कथक के प्रति लाखिया के आजीवन समर्पण को देखते हुए उन्हें इस वर्ष गणतंत्र दिवस पर भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। कदम्ब नृत्य एवं संगीत केंद्र की प्रशासक पारुल ठाकोर ने बताया कि कुमुदिनीबेन का अहमदाबाद में अपने घर में पूर्वाह्न करीब 11 बजे निधन हो गया।

भारत, इटली के बीच द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि की काफी संभावनाएं है: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इतालवी कंपनियों को भारत में अपना परिचालन बढ़ाने के लिए आमंत्रित करते हुए शनिवार को कहा कि भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि की काफी संभावनाएं हैं। मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ उनसे मिलने आए इटली के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री एंटोनियो तजानी का स्वागत करते हुए यह टिप्पणी की।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत और इटली की जड़ें प्राचीन सभ्यतागत विरासत से जुड़ी हैं और दोनों देशों का 'अपने दर्शन, साहित्य एवं कला' के माध्यम से दुनिया को योगदान देने का गौरवशाली इतिहास है। उन्होंने कहा कि भारत और इटली व्यापार एवं लोगों तथा विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम से सदियों से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। मुर्मू ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में वृद्धि की बहुत संभावना है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि और 2047 तक 'विकसित भारत' का खाका औद्योगिक साझेदारी और सहयोग के कई अवसर मुहैया कराते हैं।

उन्होंने इतालवी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को विशेष रूप से विनिर्माण और सह-उत्पादन के लिए भारत में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया। मुर्मू ने इतालवी हरित प्रौद्योगिकी कंपनियों से भारतीय उद्योग के साथ सहयोग और साझेदारी की संभावनाओं को तलाशने का भी आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि नवंबर 2024 में रियो में प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक के दौरान घोषित संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना अगले पांच वर्षों का खाका है। मुर्मू ने कहा कि यह कार्य योजना हमारे संयुक्त प्रयासों को गति देने के लिए मार्गदर्शन करने वाला खाका होगी। राष्ट्रपति के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मुर्मू को यह जानकर खुशी हुई कि इतालवी विश्वविद्यालय और अनुसंधान केंद्र भारतीय भागीदारों के साथ सहयोग की संभावनाएं तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति ने विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर खोलने की सुविधा प्रदान की है।

मुर्मू ने कहा कि इतालवी विश्वविद्यालयों को भारत में परिसर खोलने के लिए आमंत्रित किया जा सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देश वर्तमान युग में जी-20 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर मिलकर काम करने के अलावा उभरती प्रौद्योगिकियों, नवोन्मेष और रक्षा के क्षेत्र में भी मिलकर काम कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि आने वाले समय में भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी नयी ऊंचाइयों पर पहुंचेगी।

किश्तवाड़ मुठभेड़: 3 आतंकवादी ढेर, एम4 राइफल और अन्य हथियार बरामद: सेना

जम्मू। किश्तवाड़ जिले के छत्रू वन क्षेत्र में चल रही मुठभेड़ के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए और हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया गया है। सेना ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर यह जानकारी दी।

असम राइफल्स मुख्यालय में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सेना की 5 सेक्टर असम राइफल्स के कमांडर ब्रिगेडियर जे.बी.एस. राठी और किश्तवाड़-डोडा-रामबन रेंज के उप महानिरीक्षक श्रीधर पाटिल ने कहा कि क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया जानकारी मिलने के बाद 9 अप्रैल को खोजी अभियान शुरू हुआ था। भारतीय सेना की व्हाइट नाइट कोर और जम्मू-कश्मीर पुलिस का संयुक्त अभियान कठिन भूभाग और मौसम की स्थिति के बावजूद तलाशी जारी रहा। तलाशी दलों ने 11 अप्रैल की सायंकाल को एक आतंकवादी और 12 अप्रैल की सुबह को दो और आतंकवादियों को मार गिराया।

उन्होंने कहा कि बरामद हथियारों में एक एके राइफल और एक एम4 राइफल के अलावा अन्य हथियार व गोला बारूद शामिल है। उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जा रही है। डीआईजी श्रीधर पाटिल ने कहा कि क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तलाशी अभियान आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की पूरी तरह से सफाई और इसमें शामिल लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान इस क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा है।

डीआईजी ने कहा कि सुरक्षाबलों ने किश्तवाड़, डोडा और उधमपुर जिलों में निगरानी और क्षेत्र में गस्त बढ़ा दी है। आतंकवादियों की घुसपैठ और आने-जाने का पता लगाने और घुसपैठ को रोकने के लिए ड्रोन, चेहरे की पहचान करने वाली प्रणाली और वाहन स्कैनर जैसी तकनीकी का इस्तेमाल किया जा रहा है।

दिल्ली सरकार झुग्गियों और निर्माण स्थलों के निकट अटल कैंटीन शुरू करेगी: सीएम

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि यह सुनिश्चित करना उनकी सरकार का कर्तव्य है कि राष्ट्रीय राजधानी में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे, इसलिए सरकार झुग्गी बस्तियों और निर्माण स्थलों के निकट 100 अटल कैंटीन खोलने की योजना बना रही है।

हनुमान जयंती के मौके पर शालीमारबाग निर्वाचन क्षेत्र के एक मंदिर में भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना करने के बाद उन्होंने एक स्वचालित चपाती बनाने वाली मशीन का उद्घाटन किया, जिससे एक घंटे में 1200 रोटियां बनाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि हमें 100 अटल कैंटीन खोलनी हैं, जिससे दिल्ली में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे। हम झुग्गी-झोपड़ियों और निर्माण स्थलों के पास ये कैंटीन खोलने की योजना बना रहे हैं, जहां भोजन उपलब्ध कराने के लिए ऐसी स्वचालित मशीनें लगाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने इस वित्तीय वर्ष के लिए मार्च में दिल्ली का बजट पेश किया था, जिसमें गरीबों और जरूरतमंदों को मामूली शुल्क पर भोजन उपलब्ध कराने के लिए राजधानी में अटल कैंटीन खोलने के वास्ते 100 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर शुरू की गई अटल कैंटीन कई भाजपा शासित राज्यों में भी संचालित की जा रही है। गुप्ता ने कहा कि शालीमार बाग स्थित सिद्ध कात्यायनी देवी मंदिर में स्वचालित चपाती बनाने वाली मशीन दैनिक 'अन्न सेवा' में मदद करेगी, जिससे गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि यह 'सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास' की धारणा के अनुरूप गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए समाज को साथ लेकर चलने का कदम है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि अगर समाज ऊपर उठेगा तो देश हर रोज कई कदम आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने भगवान हनुमान से प्रार्थना की है कि वे उनकी सरकार के 'विकसित दिल्ली' के प्रयासों को सफल बनायें। उन्होंने कहा कि जब समाज के सभी वर्ग आगे आएंगे और अपनी भूमिका निभाएंगे तो चीजें सही दिशा में आगे बढ़ेंगी।

मुख्यमंत्री ने करोलबाग की 108 फुट ऊंची हनुमानजी की प्रतिमा के दर्शन किए

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हनुमान जयंती पर शनिवार को करोलबाग स्थित 108 फुट ऊंची भगवान हनुमानजी की प्रतिम के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में पूजा भी की। रेखा गुप्ता ने हनुमानजी के चरणों में शीश नवाकर समाज के सुख, शांति, समृद्धि और नागरिकों के कल्याण की प्रार्थना की। उन्होंने सभी को हनुमान जयंती की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत की। रेखा गुप्ता ने कहा कि आज हनुमान जयंती के अवसर पर बड़े-बड़े आयोजन हो रहे हैं। वे सौभाग्यशाली हैं कि दिल्ली की मुख्यमंत्री होने के नाते इन आयोजनों में हिस्सा ले रही हैं। मुख्यमंत्री होने के नाते दिल्ली के लोगों की खुशियों में शामिल होना उनकी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे दिल्ली वालों के सुख-दुख में उनके साथ खड़ी हैं और दिल्ली को विकसित बनाना उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दिल्ली को विकसित और समृद्ध बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के साथ-साथ दिल्ली को विकसित किया जा रहा। उन्होंने कहा कि दिल्ली से सभी आसुरी शक्तियां अपने स्थान पर वापस जाएं और यहां सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रद्धा और आस्था से भरे वातावरण में 'जय श्रीराम' के गूंजते जयघोष, भक्तों की उमंग और आस्था की शक्ति हर मन को अनुपम ऊर्जा और प्रेरणा से भर देने वाले रही। प्रभु हनुमान हम सभी को शक्ति, बुद्धि, भक्ति और निर्भयता प्रदान करें।

लोनिवि मंत्री ने श्रीनिवासपुरी क्षेत्र के नाले का निरीक्षण किया

आतिशी यहां कोई भी काम कराने में रहीं नाकाम

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने शनिवार को सांसद रामवीर बिधूड़ी के साथ कालकाजी विधानसभा क्षेत्र के श्रीनिवासपुरी क्षेत्र के नाले का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सारे नाले पिछली आम आदमी पार्टी सरकार की लापरवाही की वजह से गाद से भरे हुए हैं। इन नालों की सफाई नहीं हुई है जिससे बारिश के समय यहां जलभराव होता है। जलभराव की शिकायत करते हुए यहां के स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले मानसून में उनके घरों में चार-चार फुट पानी भर गया था। उन्होंने मंत्री को इसका वीडियो भी दिखाया। मंत्री ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और स्थानीय विधायक आतिशी यहां कोई भी काम कराने में नाकाम रही हैं।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के सभी नालों की मानसून से पहले सफाई के लिए हम हर रोज कहीं न कहीं जाकर निरीक्षण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के लोगों की परेशानियों को दूर करना हमारा लक्ष्य है। चाहे वहां का विधायक आम आदमी पार्टी का हो या भाजपा का, हमें इससे फर्क नहीं पड़ता है। मंत्री ने अधिकारियों को सभी नालों की सफाई मानसून से पहले करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नालों की सफाई करने के बाद उनके भीतरी हिस्से का वीडियो बनाया जाए, ताकि पता लगे कि नालों की ठीक से सफाई हुई है।

संक्षिप्त खबरें

चंदगीराम टी प्वाइंट पर बनेगा फ्लाईओवर

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने रिंग रोड पर सिविल लाइंस के पास पड़ने वाले चंदगीराम अखाड़े टी-प्वाइंट (मेटकॉफ टी-जंक्शन) पर फ्लाईओवर बनाने को मंजूरी दे दी है। फ्लाईओवर बनने के बाद लाल बत्ती खत्म होने के साथ सलीमगढ़ बाईपास (शांतिवन) से वाया मजनू का टीला व सिग्नेचर ब्रिज तक का सफर सिग्नल फ्री हो जाएगा। फ्लाईओवर का फायदा यहां से रोजाना गुजरने वाले करीब दो लाख से अधिक वाहन चालकों को होगा। इससे सिविल लाइंस, उत्तरी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, बुराड़ी से नई दिल्ली के बीच रोजाना आवाजाही करने वालों का वक्त भी बचेगा। अधिकारियों के मुताबिक, यह फ्लाईओवर 680 मीटर लंबा होगा। यह सिविल लाइंस स्थित ट्रामा सेंटर से आगे डीआरडीओ के बीच बनेगा। इसे बनाने के लिए 183 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस दौरान यहां सड़क का चौड़ीकरण भी होगा। इसके अलावा यू-टर्न भी बनाया जाएगा, जिससे लोगों को परेशानी न हो। यहां फुटपाथ और सड़क पार करने के लिए अलग से कॉरिडोर भी बनाने की योजना है। वर्तमान में इस चंदगीराम अखाड़े पर लाल बत्ती की वजह से पीक आवर्स में लंबा जाम लगता है। पीक आवर्स में अगर आप आईएसबीटी कश्मीरी गेट से मजनू की टीला की तरफ जा रहे है, तो कई बार जाम की वजह से लाल बत्ती को पार करने में 20 मिनट से भी अधिक समय लग जाता है। इसी रास्ते से पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की बसें भी आवाजाही करती हैं। इसके चलते लाल बत्ती पर वाहनों की लंबी कतारें लगती है।

अवैध रूप से रह रहे छह बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के दक्षिण पश्चिम व रोहिणी जिला पुलिस ने यहां अवैध रूप से रह रहे छह बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। इनमें दो बांग्लादेशी पुलिस से बचने के लिए ट्रांसजेंडर बनकर महिपालपुर में रह रहे थे। फिलहाल पुलिस ने सभी बांग्लादेशियों को विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) में भेज दिया गया है। रोहिणी जिले के डीसीपी अमित गोयल ने शनिवार को बताया कि रोहिणी जिला पुलिस अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की निगरानी कर रही थी। इस बीच जिले की स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली कि एक महिला समेत तीन बांग्लादेशी अपनी पहचान छुपाकर रह रहे हैं। सूचना को पुख्ता कर पुलिस ने तीनों बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान अकलीमा बीबी, मोहम्मद कमल और महबूब आलम के रूप में हुई है। जांच में पता चला है कि महबूब आलम मूल रूप से हिलालपुर, गोपालगंज, हेतिमगंज, सिलहट, बांग्लादेश का रहने वाला है। वह सिलहट बांग्लादेश में एक दवा की दुकान का मालिक है। वह शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। वह पहली बार इसी साल पांच अप्रैल को भारत आया था। मोहम्मद कमाल डिलाइट सिनेमा दरियागंज का रहने वाला है। वह गांव धुरैला खलासीकांडी थाना-मदारीपुर, जिला-मदारीपुर, बांग्लादेश का रहने वाला है। वह शादीशुदा है और उसकी पत्नी और बच्चे फिलहाल बांग्लादेश में रह रहे हैं। उसे पहले वर्ष 2012 में बांग्लादेश भेजा गया था। तीन साल बाद वह फिर से सीमा पार कर हावड़ा के रास्ते ट्रेन से दिल्ली आया। वह दिल्ली में कबाड़ी का काम करता था। इसी क्रम में पकड़ी गई अकलीमा बीबी बवाना इलाके में रह रही थी। उसे पहले वर्ष 2007 में बांग्लादेश भेजा गया था। इसी दौरान दक्षिण पश्चिम जिले की एंटी स्नैचिंग सेल ने महिपालपुर से अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित पुलिस से बचने केलिए ट्रांसजेंडर बने हुए थे। पुलिस ने इनके पास से प्रतिबंधित आईएमओ ऐप वाले दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

यूट्यूबर से मांगी 13 करोड़ की फिरौती, धरा गया

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले की बवाना थाना पुलिस ने एक कारोबारी से 13 करोड़ की फिरौती मांगने के मामले में आरोपित विशाल उर्फ कटिया को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया विशाल बवाना इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से जबरन वसूली के लिए कॉल करने के लिए इस्तेमाल किया गया मोबाइल फोन बरामद किया है।

बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी निधिन वलसन ने शनिवार को बताया कि 10 अप्रैल को शिकायतकर्ता ने पुलिस को शिकायत दी कि एक अनजान नंबर से उन्हें कॉल आई। कॉलर ने उनसे 13 करोड़ की फिरौती मांगी। रुपये न देने पर कॉलर ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। डीसीपी के अनुसार शिकायतकर्ता एक यूट्यूबर है, जिसने करीब 11 महीने पहले उन्होंने वामिका शर्मा के साथ प्रेम विवाह किया था। शिकायतकर्ता के ससुर का छह साल पहले निधन हो गया था। उनके निधन के बाद उनकी सारी संपत्ति उनकी दो बेटियों, दो बेटों में बांटी गई। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में बताया कि नौ अप्रैल को वह किसी काम से बवाना सेक्टर-1 गए थे। रात करीब साढे आठ बजे उनके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने खुद का नाम विशाल बताया और खुद को इलाके का कुख्यात अपराधी बताया। विशाल ने पीड़ित को बताया कि उसकी पत्नी को काफी संपत्ति मिली है। जिंदा रहना है तो जल्दी से 13 करोड़ रुपये का इंतजाम कर लो। पीड़ित के अनुसार रुपये न मिलने पर आरोपित ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। डीसीपी के अनुसार शिकायतकर्ता के बयान पर बवाना थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने उस अनजान नंबर को सर्विलांस पर लगाया। पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को बवाना इलाके से गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली विधानसभा सीएजी के ऑडिट पैराग्राफ की निगरानी के लिए एपीएमएस का उपयोग करेगी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) के ऑडिट पैराग्राफ की प्रभावी निगरानी के लिए भारत सरकार के लेखापरीक्षा पैरा निगरानी प्रणाली (एपीएमएस) का उपयोग करने का निर्णय लिया है। यह जानकारी दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को दी।

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि इस संबंध में शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक हुई, जिसमें लेखापरीक्षा पैरा निगरानी प्रणाली को लागू करने के लिए दिल्ली सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) आशीष चंद्र वर्मा को निर्देश दिए गए। इस दिशा में वर्मा ने भारत सरकार की अतिरिक्त सचिव (व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय) परमा सेन को पत्र लिखकर दिल्ली सरकार के लिए लेखापरीक्षा पैरा निगरानी प्रणाली के उपयोग की अनुमति मांगी थी। सेन ने आश्वासन दिया कि जब तक दिल्ली सरकार अपनी स्वयं की प्रणाली विकसित नहीं कर लेती, तब तक वह भारत सरकार की एपीएमएस प्रणाली का उपयोग कर सकती है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की महालेखाकार रोली शुक्ला मालगे के प्रयासों से इस प्रक्रिया को गति मिली है। उनके कुशल समन्वय से भारत सरकार और दिल्ली सरकार के बीच इस सॉफ्टवेयर को अपनाने की दिशा में सहमति बनी।

विधानसभा अध्यक्ष ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में एपीएमएस की कार्यप्रणाली और इसके लाभों पर आधारित एक प्रस्तुति देखी। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत इस सत्र में स्पष्ट किया गया कि यह प्रणाली किस प्रकार से ऑडिट पैराग्राफ की ट्रैकिंग, समाधान और निगरानी में सहायता करेगी। उन्होंने बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि दिल्ली सरकार द्वारा अपनी प्रणाली विकसित किए जाने तक भारत सरकार की एपीएमएम प्रणाली को अस्थायी रूप से अपनाया जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष ने लोक लेखा समिति की आगामी बैठकों को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभाग को इस प्रणाली लागू करने के लिए प्राथमिकता और आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

सिख संगत से सहज पाठ का हिस्सा बनने की अपील: जसप्रीत सिंह करमसर

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी धर्म प्रचार के मुखी जसप्रीत सिंह करमसर ने देश विदेश की संगत से सहज पाठ से जुड़ने की अपील की है। दिल्ली कमेटी ने रजिस्टेशन के लिए 9871111444 नम्बर जारी किया है। दिल्ली कमेटी के धर्म प्रचार मुखी जसप्रीत सिंह करमसर ने बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, महासचिव जगदीप सिंह काहलो के मार्ग दर्शन में चलते हुए धर्म प्रचार कमेटी के विशेष प्रयास से गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी पर्व पर 3.5 लाख सहज पाठ करने का लक्ष्य रखा है जिसकी शुरुआत 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे लख्खीशाह बंजारा हाल गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में की जाएगी और 25 नवम्बर को गुरु साहिब के शहीदी पर्व वाले दिन गुरुद्वारा सीस गंज साहिब में एक साथ भोग डालकर समापन किया जाएगा।

दिल्ली के स्कूलों का आ गया वार्षिक कैलेंडर, गर्मी की छुट्टियां 11 मई से शुरू

नई दिल्ली। शिक्षा निदेशालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए दिल्ली के स्कूलों का वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित कर दिया है, जिसमें दाखिले और छुट्टियों से संबंधित सभी महत्वपूर्ण तिथियां शामिल हैं। निदेशालय द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार, इस सत्र में विद्यार्थियों के लिए गर्मी की छुट्टियां 11 मई से शुरू होकर 30 जून तक रहेंगी।

यूरी गागरिन और अन्य रूसी अंतरिक्ष वैज्ञानिकों के सम्मान में स्मारक पट्टिका का अनावरण

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मानव अंतरिक्ष उड़ान दिवस के अवसर पर शनिवार को यहां 'रशियन हाउस' में एक स्मारक पट्टिका का अनावरण किया गया, जिसमें अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले व्यक्ति यूरी गागरिन और रूस के दो अन्य अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की छवियां अंकित हैं।

इस पट्टिका का अनावरण भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव और अंतरिक्ष यात्री डेनिस मतवीव की उपस्थिति में किया गया, जो इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विशेष रूप से रूस से आये थे। बाद में, 2023 में रिलीज हुई अंतरिक्ष में फिल्मांकित रूसी मनोरंजक फिल्म 'द चैलेंज' भी कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित की गई। आयोजकों ने दावा किया कि यह बाह्य अंतरिक्ष में शूट होने वाली 'पहली' ऐसी परियोजना है।

तत्कालीन सोवियत संघ के तहत गागरिन 12 अप्रैल 1961 को अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले इंसान बने थे। इस दिन को रूस में 'कॉस्मोनॉटिक्स डे' (अंतरराष्ट्रीय मानव अंतरिक्ष उड़ान दिवस) के रूप में मनाया जाता है जो ऐतिहासिक उड़ान की याद दिलाता है।

पट्टिका पर अंतरिक्ष सूट पहने गागरिन, रूस के अंतरिक्ष अन्वेषण के जनक कोंस्टैंटिन त्सियोलकोवस्की तथा अंतरिक्ष में पहली मानव उड़ान में अहम भूमिका निभाने वाले सर्गेई कोरोलेव को दर्शाया गया है। रूसी राजदूत ने कहा कि 12 अप्रैल को हम अंतरिक्ष अन्वेषण का जश्न मनाते हैं, इसे 'कॉस्मोनॉटिक्स डे' कहते हैं। 1961 में इसी दिन यूरी गागरिन ने अंतरिक्ष में पहली मानव उड़ान भरी थी। यह निश्चित रूप से अंतरिक्ष अन्वेषण में मानव जाति की अनगिनत उपलब्धियों को याद करने का अवसर है। लेकिन यह उन भविष्य के प्रयासों को भी याद करने का अवसर है, जिन्हें हमें अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए मिलकर संयुक्त रूप से करना चाहिए।

यूथ कांग्रेस ने पेट्रो पदार्थों की मूल्य वृद्धि के खिलाफ किया प्रदर्शन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) ने आज राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में यहां रायसीना रोड स्थित संगठन मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए गए पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों का विरोध किया और इसके लिए सरकार की तीखी आलोचना की।

इस अवसर पर उदय भानु चिब ने कहा कि देश में अभी 100 करोड़ लोग आर्थिक तंगी से गुजर रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि हालात और बदतर होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 2014 के मुक़ाबले अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की क़ीमत में 41% की गिरावट आई है। इसके बावजूद सरकार ने पेट्रोल-डीज़ल के दाम कम करने की बजाय दो-दो रुपये सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी है। यह महंगाई से तड़पती जनता के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है। उन्होंने कहा कि इस महंगाई का चाबुक "उज्जवला" की ग़रीब महिलाओं की बचत पर भी चल गया, क्योंकि केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर के दाम सीधे 50 रुपये बढ़ा दिए हैं।

यह जनता को महंगाई का तगड़ा झटका है। दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कहा कि पूरे देश में उदासी का माहौल है और अंधेरा छाया हुआ है। स्टॉक मार्केट, महंगाई, बेरोजगारी के हालात देखिए, देश की अर्थव्यवस्था संभल नहीं रही है। लाकड़ा ने मांग की कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की बढ़ी हुई कीमतों को वापस ले और महंगाई से त्रस्त जनता को राहत दे अन्यथा युवा कांग्रेस इस प्रकार से ही सड़क से लेकर संसद तक अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखेगी।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

बड़ी कूटनीतिक जीत

लगभग डेढ़ दशक के प्रयासों के बाद, देश को दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमले के सूत्रधार रहे पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा का भारत प्रत्यर्पण हमारी बड़ी कानूनी व कूटनीतिक जीत है। यह सफलता तब ही पूर्ण मानी जाएगी जब इस साजिश में बड़ी भूमिका निभाने वाले डेविड कोलमैन हेडली का भारत प्रत्यर्पण हो सकेगा। जिसने मुंबई हमले से पूर्व आतंकियों द्वारा निशाने पर लिए गए जगहों की कई बार रेकी करके आतंकी सरगनाओं की मदद की थी। निश्चय की राणा का भारत लाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि जांच के बाद मुंबई आतंकी हमले में पाकिस्तान सरकार तथा आईएसआई की भूमिका व पाक स्थित आतंकी संगठनों के खतरनाक मंसूबों का खुलासा हो सकेगा। सही मायनों में यह हमारी खुफिया एजेंसियों की भी कठिन परीक्षा होगी कि इस साजिश की तह तक कैसे पहुंचा जाए। भारतीय खुफिया एजेंसियां यदि इस बड़ी साजिश की कड़ियां सही तरह से जोड़ पायी तो आतंकवाद की उर्वरा भूमि बने पाकिस्तान को दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सकेगा। यही वजह है कि 26/11 के दहला देने वाले मुंबई हमले के सूत्रधार तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के रास्ते अवरोध खड़े करने में प्रत्यक्ष-परोक्ष तौर पर पाक समर्थकों द्वारा कोशिशें की गई। वे सारे कानूनी उपाय अपनाए गए जो राणा का प्रत्यर्पण रोक सकते थे। बहरहाल, इस प्रत्यर्पण से उन शहीदों के परिजनों को न्याय मिलने की उम्मीद जगी है, जिनकी इस आतंकी हमले में मृत्यु हुई थी। अब तक उनके परिजनों को इस बात का मलाल था कि 16 साल बाद भी सभी अपराधियों को सजा नहीं मिल सकी है। साथ ही राणा की पूछताछ से होने वाले खुलासों से आतंकवाद की पाठशाला बने पाक को अलग-थलग करने के प्रयासों को भी बल मिलेगा। निश्चित रूप से राणा के खिलाफ भारतीय कानून व न्याय व्यवस्था के मानकों के अनुरूप ही कार्रवाई होगी। साथ ही अजमल कसाब की तरह उसकी अपनी बात कहने को कानूनी मदद भी दी जाएगी। हालांकि, अब तक पाक मुंबई आतंकी हमले में अपना हाथ होने से लगातार इनकार करता रहा है, लेकिन सभी प्राथमिक सूचनाएं और ठोस सबूत पाक की तरफ इशारा करते रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वह अपनी धरती पर कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के बड़े गुर्गों को संरक्षण देकर उनका बचाव करता रहा है। ऐसे में हमारी जांच एजेंसियों के अधिकारी राणा से सख्त पूछताछ से सच्चाई सामने लाने में सक्षम हो सकते हैं। साथ ही ठोस निष्कर्षों के आधार पर पाक पर दबाव बना सकता है कि वह अपनी जमीन आतंकवादियों को पालने-पोसने में इस्तेमाल न होने दे। इसके अलावा आतंकी संगठनों पर पर्याप्त दबाव बनाए, ताकि फिर मानवता के खिलाफ मुबई हमले जैसे घटनाक्रम न दोहराए जा सकें। बहरहाल, राणा का भारत प्रत्यर्पण पाकिस्तान तथा दूसरे देशों में भारत विरोधी गतिविधियां चला रहे लोगों व संगठनों के लिये साफ संदेश गया है कि इंसानियत के दुश्मन दुनिया के किसी भी कोने में कानून की ओट में बच नहीं सकते। साथ ही पाक को आईना दिखा दिया गया है जो राणा को कनाडा का नागरिक बताकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रहा था।

बांग्लादेश: घातक साबित होगा भारत का कूटनीतिक प्रहार

हाल ही चीन यात्रा के दौरान युनूस का बयान भारत में चर्चा का विषय बना हुआ था। अब भारत की ओर से जो निर्णय लिया गया है, जिसे कूटनीतिक भाषा में 'काउंटर मूव' कहा जाता है। यूनुस की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था संकट में है और वह चीन से निवेश की उम्मीद कर रहा है। चीन ने पहले ही मोंगला पोर्ट के लिए 400 मिलियन डॉलर और चटगांव में आर्थिक ज़ोन के लिए 350 मिलियन डॉलर का वादा कर रखा है। भारत ने बांग्लादेश के एक्सपोर्ट कार्गो के लिए ट्रांसशिपमेंट सुविधा समाप्त कर देने से बांग्लादेश, भारत होकर भूटान, नेपाल और म्यांमार को निर्यात नहीं कर पाएगा। भारत का यह कदम बांग्लादेश को साफ संदेश देता है कि वह अपनी सामरिक स्थिति का दुरुपयोग करके भारत के हितों को चुनौती नहीं दे सकता। भारत के इस निर्णय से पहले ही आर्थिक रूप से बदहाल बांग्लादेश का व्यापार खासा प्रभावित होगा। म्यांमार, नेपाल और भूटान को अपना सामान भेजने के लिए अब उसे महंगा और लंबा रास्ता तय करना पड़ेगा। भूटान, नेपाल और म्यांमार तीसरे देशों के साथ व्यापार के लिए भारतीय रास्तों पर निर्भर हैं। पहले भारत से होकर जाने वाला रास्ता आसान था। इससे समय और पैसे की बचत होती थी। अब बांग्लादेश के व्यापारियों को ज्यादा समय लगेगा, ज्यादा खर्चा आएगा और अनिश्चितता बढ़ेगी।

- हरीश शिवनानी

एक पखवाड़ा पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने जब चीन जाकर राष्ट्रपति शी जिनपिंग को भारत के पूर्वोत्तर राज्यों से सटे लालमोनिरहाट में अपना एयरबेस बनाने का न्योता दिया था तो वे नहीं जानते थे कि वे कितना बड़ा दुःस्साहस कर रहे हैं। उन्होंने डीग हांकते हुए बांग्लादेश को भारत के इन सीमांत राज्यों का 'गार्जियन' (संरक्षक) तक घोषित कर दिया। 26-29 मार्च के बीच चीन यात्रा के दौरान यूनुस ने बीजिंग में डींग हांकी कि 'नॉर्थ ईस्ट यानी भारत के सात राज्य लैंडलॉक्ड हैं, उनके पास समुद्र तक पहुंचने का रास्ता नहीं है। बांग्लादेश इस पूरे क्षेत्र के लिए समुद्र का एकमात्र संरक्षक है। यह चीन की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा अवसर हो सकता है।' इस दुःस्साहस भरे न्यौते से भारत का सतर्क होना स्वाभाविक था। 'सेवन सिस्टर्स' और 'चिकन नेक' के नाम से ख्यात भारत के ये सीमांत राज्य सामरिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील हैं। बांग्लादेश का लालमोनिरहाट जिला भारत के सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बेहद करीब है, इस कारण भारत का चिंतित होना जायज है।

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, नगालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और सिक्किम का सामूहिक रूप से बांग्लादेश के साथ 1,596 किमी. लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा, चीन के साथ 1,395 किमी, म्यांमार के साथ 1,640 और भूटान के साथ 455 किमी. तथा नेपाल के साथ 97 किमी सीमा है, लेकिन ये केवल 22 किमी की एक पट्टी के माध्यम से भारत के बाकी हिस्सों से जुड़े हैं, जिसे 'चिकन नेक' कॉरिडोर कहा जाता है। यह बेहद संकरा मार्ग है। इसके दक्षिण में बांग्लादेश और उत्तर में नेपाल, भूटान और चीन हैं। यह करीब 60 किमी. लंबा और 21 किमी. चौड़ा है। चिकन नेक कॉरिडोर ही पूर्वोतर राज्यों को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ता है। काफी संकरा होने के कारण चीन, बांग्लादेश और पाकिस्तान की नजरें हमेशा से इस पर रही हैं। अगर बांग्लादेश के ज़रिए चीन यहां अपनी आर्थिक या सामरिक पकड़ बनाता है तो यह भारत के लिए सुरक्षा खतरा बन सकता है। कुछ दिनों की खामोशी के बाद भारत ने मंगलवार आधी रात अचानक बांग्लादेश के लिए 'ट्रांसशिपमेंट' यानी भारत के बंदरगाहों और हवाई अड्डों से कारोबार करने की सुविधा बंद कर उसकी आर्थिक रीढ़ पर जोरदार चोट की है। अंतरराष्ट्रीय जगत में इसे बांग्लादेश पर भारत का बड़ा कूटनीतिक आर्थिक प्रहार माना जा रहा है।

भारत ने बांग्लादेश को यह सुविधा तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ हुए 'ट्रांसशिपमेंट एग्रीमेंट' के तहत एक सर्कुलर से 29 जून 2020 को दी थी। यह सर्कुलर बांग्लादेश से तीसरे देशों को निर्यात कार्गो के ट्रांसशिपमेंट की अनुमति देता था, जो भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों के रास्ते भारतीय भूमि का उपयोग करता था, ताकि भूटान, नेपाल और म्यांमार जैसे देशों को बांग्लादेश का व्यापार हो सके। 8 अप्रैल को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) पुराने सर्कुलर को रद्द कर दिया। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के प्रमुख अजय श्रीवास्तव का कहना है कि नए सर्कुलर के साथ, ट्रांसशिपमेंट व्यवस्था तुरंत प्रभाव से समाप्त कर दी गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, बांग्लादेश को ट्रांसशिपमेंट सुविधा से भारत के बंदरगाहों व हवाई अड्डों पर असुविधा होने के साथ भारतीय निर्यात की लागत बढ़ रही थी और समय पर उत्पाद निर्यात करने में देरी होने लगी थी। ऐसे में 8 अप्रैल 2025 से यह सुविधा समाप्त की जा रही है। दरअसल, पिछले वर्ष अगस्त में बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिराने के बाद से वहां भारत विरोधी गतिविधियां काफी बढ़ गई। हाल ही चीन यात्रा के दौरान युनूस का बयान भारत में चर्चा का विषय बना हुआ था। अब भारत की ओर से जो निर्णय लिया गया है, जिसे कूटनीतिक भाषा में 'काउंटर मूव' कहा जाता है। यूनुस की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था संकट में है और वह चीन से निवेश की उम्मीद कर रहा है। चीन ने पहले ही मोंगला पोर्ट के लिए 400 मिलियन डॉलर और चटगांव में आर्थिक ज़ोन के लिए 350 मिलियन डॉलर का वादा कर रखा है।

भारत ने बांग्लादेश के एक्सपोर्ट कार्गो के लिए ट्रांसशिपमेंट सुविधा समाप्त कर देने से बांग्लादेश, भारत होकर भूटान, नेपाल और म्यांमार को निर्यात नहीं कर पाएगा। भारत का यह कदम बांग्लादेश को साफ संदेश देता है कि वह अपनी सामरिक स्थिति का दुरुपयोग करके भारत के हितों को चुनौती नहीं दे सकता। भारत के इस निर्णय से पहले ही आर्थिक रूप से बदहाल बांग्लादेश का व्यापार खासा प्रभावित होगा। म्यांमार, नेपाल और भूटान को अपना सामान भेजने के लिए अब उसे महंगा और लंबा रास्ता तय करना पड़ेगा। भूटान, नेपाल और म्यांमार तीसरे देशों के साथ व्यापार के लिए भारतीय रास्तों पर निर्भर हैं। पहले भारत से होकर जाने वाला रास्ता आसान था। इससे समय और पैसे की बचत होती थी। अब बांग्लादेश के व्यापारियों को ज्यादा समय लगेगा, ज्यादा खर्चा आएगा और अनिश्चितता बढ़ेगी। यह सुविधा बंद करने से भारत के लिए सामरिक चुनौती पैदा करने वाले दो पड़ोसी देशों पाकिस्तान और चीन के साथ रक्षा व कारोबारी संबंध बढ़ाने में जुटे बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को भारत ने बड़ा सबक दिया है। भारत का यह फैसला पहले से घटते निर्यात और अमेरिकी सरकार की तरफ से बांग्लादेश पर 37 फीसदी पारस्परिक शुल्क की घोषणा से बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था और बुरी तरह प्रभावित कर सकता है।

बांग्लादेश म्यांमार को मुख्य रूप से वस्त्र, दवाइयां, और खाद्य उत्पाद जैसे आलू और मछली निर्यात करता है, वहीं म्यांमार से बांग्लादेश मुख्य रूप से लकड़ी, समुद्री उत्पाद और कुछ कृषि उत्पाद आयात करता है। इसी तरह बांग्लादेश और नेपाल दोनों देश दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के सदस्य हैं, जो सदस्य देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है। बांग्लादेश नेपाल को मुख्य रूप से तैयार वस्त्र, जूट उत्पाद, चाय पैकेजिंग सामग्री, और कुछ औद्योगिक सामान निर्यात करता है बदले में बांग्लादेश यार्न (धागा), दाल, हर्बल उत्पाद, और हस्तशिल्प आयात करता है। 2023 में बंगलाबंध भूमि बंदरगाह खुलने से नेपाल से यार्न का आयात बढ़ा है। बांग्लादेश और भूटान के बीच व्यापार बहुत सीमित है, क्योंकि दोनों देशों के बीच कोई सीधा भौगोलिक संपर्क नहीं है और भूटान की अर्थव्यवस्था बहुत छोटी है। बांग्लादेश भूटान को कपड़ा, जूते और कुछ निर्माण सामग्री निर्यात करता है। भूटान से बांग्लादेश मुख्य रूप से पत्थर, चूना पत्थर और कुछ हाइड्रोपावर-संबंधी उत्पाद आयात करता है। अर्थ-विशेषज्ञों के अनुसार भारत के इस निर्णय से वस्त्र, जूते, रत्न एवं आभूषण जैसे कई भारतीय निर्यात क्षेत्रों को नए अवासर मिलेंगे। परिधान क्षेत्र में बांग्लादेश भारत का बड़ा प्रतिस्पर्धी है। कहा जा सकता है कि अस्थिरता और संकट के इस दौर में बांग्लादेश ने भारत को कमतर आंक कर जिस दुःस्साहस का परिचय दिया है, उसे भारतीय ज्ञान-परंपरा में 'विनाश काले विपरीत बुद्धि' कहा गया है।

सत्ता, शहादत और सवाल: जलियांवाला बाग की आज की प्रासंगिकता

- डॉ. सत्यवान सौरभ

13 अप्रैल 1919, अमृतसर। वैसाखी का दिन। हजारों लोग जलियांवाला बाग में एकत्र हुए थे-कुछ रॉलेट एक्ट के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध के लिए, तो कुछ महज़ त्योहार मनाने। तभी ब्रिटिश सेना के ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड डायर ने अपनी टुकड़ी के साथ प्रवेश किया, बाग के एकमात्र द्वार को बंद कराया, और बिना किसी चेतावनी के भीड़ पर गोलियां चलवा दीं। लगभग दस मिनट में 1650 गोलियां चलाई गईं। सैकड़ों की जान गई, हजारों घायल हुए। दीवारें खून से लथपथ हो गईं। और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक निर्णायक मोड़ आया।

जलियांवाला बाग हत्याकांड सिर्फ एक ऐतिहासिक त्रासदी नहीं थी, वह साम्राज्यवादी दमन की पराकाष्ठा थी। लेकिन आज, 100 साल से अधिक समय बीत जाने के बाद, हमें खुद से पूछना होगा-क्या जलियांवाला बाग केवल इतिहास की एक दुखद कहानी है, या फिर एक ऐसा आईना है जिसमें आज का लोकतंत्र भी देखा जा सकता है?

जनरल डायर से लेकर आज की सत्ता तक

ब्रिगेडियर जनरल डायर ने इस नरसंहार को 'आवश्यक कार्रवाई' बताया था। ब्रिटिश साम्राज्य ने उसे डांटा नहीं, बल्कि कुछ ने तो उसे 'असली देशभक्त' भी कहा। यह घटना हमें यह समझाती है कि जब सत्ता को जवाबदेही से मुक्त कर दिया जाता है, तब वह कितनी क्रूर हो सकती है। आज, जब शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी किसानों पर लाठीचार्ज होता है, विश्वविद्यालयों में छात्रों को पीटा जाता है, पत्रकारों को जेल में डाला जाता है, और असहमति को 'देशद्रोह' का नाम दे दिया जाता है, तब यह सवाल उठता है-क्या सत्ता की वही 'डायर मानसिकता' आज भी जीवित है?

विरोध और लोकतंत्रः एक नाजुक रिश्ता

लोकतंत्र की बुनियाद असहमति पर टिकी होती है। यदि लोग सवाल न करें, आलोचना न करें, और सत्ता से जवाबदेही न मांगें, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे एक सत्तावादी ढांचे में तब्दील हो सकता है। जलियांवाला बाग में निहत्थे लोग मारे गए क्योंकि उन्होंने सवाल उठाए थे। आज अगर सवाल उठाने वालों को 'राष्ट्रद्रोही' कहा जाता है, तो क्या हमने वाकई इतिहास से कुछ सीखा है? जब सवाल पूछना गुनाह बन जाए, और सत्ता खुद को ₹राष्ट्र₹ घोषित कर दे, तब लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी बजती है।

इतिहास को सजावटी न बनाएं

2021 में जब जलियांवाला बाग स्मारक का नवीनीकरण किया गया, तो उस पर तीखी आलोचना हुई। रंगीन लाइटें, सजावटी गलियारे, डिजिटल शो-सब कुछ जैसे शहादत को 'इवेंट' में बदलने का प्रयास था।

क्या शहीदों की यादें सेल्फी पॉइंट बन जानी चाहिए?

इतिहास का काम केवल गौरव गान नहीं है, उसका उद्देश्य चेतावनी देना भी है। जब हम अपने अतीत के दर्द को केवल उत्सव में बदल देते हैं, तो हम उस चेतावनी को नजरअंदाज कर देते हैं। जलियांवाला बाग का नवीनीकरण एक उदाहरण है कि कैसे हम इतिहास की आत्मा खो सकते हैं, अगर हम केवल उसकी सतह पर सजावट करने लगें।

सत्ता की भाषा बदली है, मंशा नहीं

ब्रिटिश सत्ता ने विरोध को देश के खिलाफ समझा। आज जब हमारे अपने लोकतांत्रिक संस्थान, जनता की आवाज को 'असहज' मानकर दबाते हैं, तो वह भी लोकतंत्र का हनन है। इंटरनेट शटडाउन, मीडिया पर नियंत्रण, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला-ये सब आधुनिक भारत के 'नरसंहार' हैं।

फर्क इतना है कि अब बंदूक की जगह डंडा है, और डायर की जगह सिस्टम है। पिछले वर्षों में हुए आंदोलन-जैसे नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ प्रदर्शन, किसान आंदोलन, और विश्वविद्यालयों में छात्रों के आंदोलनों ने यह दिखाया है कि आज भी जब लोग सड़कों पर उतरते हैं, तो सत्ता पहले संवाद नहीं करती, बल्कि बल प्रयोग करती है।

सवाल पूछना अपराध नहीं है

जलियांवाला बाग की घटना हमें यह सिखाती है कि सत्ता को चुनौती देना जनता का अधिकार है। और यह अधिकार लोकतंत्र का आधार है। रवींद्रनाथ टैगोर ने इस हत्याकांड के बाद ब्रिटिश सरकार से 'नाइटहुड' की उपाधि लौटा दी थी। महात्मा गांधी ने इसे असहयोग आंदोलन की प्रेरणा माना। भगत सिंह ने इसे अपनी क्रांतिकारी चेतना का प्रारंभिक क्षण बताया। आज अगर कोई नागरिक सरकार से सवाल पूछता है, तो वह 'राष्ट्रद्रोही' क्यों ठहराया जाता है? क्या राष्ट्र वही है जो सत्ता कहे? या राष्ट्र वह है जो नागरिक मिलकर बनाते हैं?

क्या हम इतिहास को दोहरा रहे हैं?

भारत आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन यह केवल वोट देने से नहीं बनता। यह बनता है पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और नागरिक स्वतंत्रताओं से। जब सरकारें सवालों से डरने लगती हैं, मीडिया पक्षपाती हो जाता है, और अदालतें मौन हो जाती हैं-तब लोकतंत्र का दम घुटने लगता है। जलियांवाला बाग में जो हुआ, वह इसी मौन और अन्याय का नतीजा था। आज भी, जब कोई पत्रकार सच उजागर करता है और उसे जेल में डाला जाता है, तो वह भी एक तरह का 'नरसंहार' ही है-सत्य का।

हमें क्या करना होगा?

बच्चों को जलियांवाला बाग की कहानी केवल एक अध्याय के रूप में नहीं, बल्कि एक चेतावनी के रूप में पढ़ाई जाए। उन्हें सिखाया जाए कि सवाल पूछना देशभक्ति है, गुनाह नहीं। हमें असहमति को स्वीकार करना सीखना होगा।

अगर कोई नागरिक सरकार की आलोचना करता है, तो उसे देशद्रोही कहना लोकतंत्र की बेइज्जती है। हर सत्ता को यह समझना होगा कि उसका अस्तित्व जनता से है। यदि वह जनता की आवाज को ही दबा दे, तो उसका नैतिक आधार खत्म हो जाता है। जलियांवाला बाग जैसे स्थानों को टूरिस्ट अट्रैक्शन नहीं, राष्ट्रीय चेतना के केंद्र के रूप में संरक्षित किया जाना चाहिए।

शहीदों की चीखें आज भी गूंज रही हैं

जलियांवाला बाग केवल इतिहास का एक काला अध्याय नहीं, बल्कि आज की राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों में प्रासंगिक चेतावनी है। जब तक सत्ता के सामने सवाल उठाने की स्वतंत्रता नहीं होगी, तब तक लोकतंत्र अधूरा रहेगा। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम शहीदों की कुर्बानी को केवल दो मिनट के मौन या फूल चढ़ाने तक सीमित न करें। हमें उनका सपना पूरा करना होगा-एक ऐसा भारत जहां सत्ता जवाबदेह हो, नागरिक स्वतंत्र हों, और सवाल पूछना एक अधिकार हो, अपराध नहीं। जलियांवाला बाग की दीवारें आज भी बोल रही हैं। सवाल यह है कि क्या हम सुन रहे हैं?

सूरत के इस शिव मंदिर में बनाएं दर्शन का प्लान, इन बातों का रखें खास ख्याल

हम सभी को अक्सर ऐसे मंदिरों में दर्शन करना अच्छा लगता है। जो ऐतिहासिक होने के साथ खूबसूरत भी हो। ऐसा ही एक मंदिर सूरत में स्थित गलतेश्वर महादेव मंदिर हैं। यह मंदिर ऐतिहासिक होने के साथ खूबसूरती में भी कमाल है। यहां पर महादेव की विशाल मूर्ती इतनी अधिक खूबसूरत है कि आप इससे अपनी नजर नहीं हटा सकेंगे। इस मंदिर के बगल में तापी नदी बगती है। यहां से नजारा इतना सुंदर दिखता है कि आपका मन वापस आने को नहीं करेगा। मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए एक पुल भी बनाया गया है। जहां पर श्रद्धालु स्नान कर महादेव का आशीर्वाद ले सकते हैं। बता दें कि गलतेश्वर मंदिर में भोलेबाबा की 62 फुट ऊंची प्रतिमा है। यह मंदिर सूरत से करीब 40 किमी दूर तापी नदी के तट पर स्थित है। यहां पहुंचने में आपको डेढ़ से दो घंटे का समय लग सकता है। वहीं अगर आपके पास अपनी गाड़ी नहीं है, तो वापस आने में आपको परेशानी हो सकती है। इसलिए प्रयास करें कि आप ऑटो या कैब बुक करके जाएं। जो आपको वापस भी ला सके। अगर आप अपने बच्चे को भी लेकर जा रहे हैं, तो साथ में खाने-पीने की चीजें भी लेकर जा सकते हैं। यह गुजरात में घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक है।

धर्मकर्म

इन बातों का रखें खास ख्याल

- बता दें कि मंदिर में एंट्री पार्किंग टू-व्हीलर के लिए जार्च 10 रुपये है।
- वहीं वॉशरूम के लिए 5 रुपये और पूल में नहाने के लिए आपको 50 रुपये देना होगा।
- मंदिर में प्रवेश के लिए आपको कोई टिकट नहीं लेना होगा।
- भोलेबाबा की मूर्ति के सामने आप फोटो ले सकते हैं।
- मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ होती है, इसलिए बच्चे को साथ लाने पर उसका हाथ पकड़े रहें।
- सामान रखने के लिए श्रद्धालुओं को लॉकर सुविधा मिलेगी और इसके आपको पैसे देने होंगे।
- मंदिर में आपको खाने-पीने की भी चीजें मिल जाएंगी।
- मंदिर सुबह 06 बजे से रात 08 बजे तक खुला रहेगा।

आज का इतिहास

1699 - सिखों के दसवें गुरू गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की। हर साल इसी दिन बैसाखी का त्योहार मनाया जाता है।

1919 - जालियांवाला बाग हत्याकांड। निहत्थी भीड़ पर की गई अंधाधुंध गोलीबारी में चार सौ लोग मारे गए।

1947 - भारत और पाकिस्तान के बीच राजनयिक संबंध स्थापित।

1960 - फ्रांस ने सहारा मरूस्थल में परमाणु बम का परीक्षण किया। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाला चौथा देश बना।

1980 - अमेरिका ने मास्को में हो रहे ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों का बहिष्कार किया।

1984 - भारतीय क्रिकेट टीम ने शारजाह में पाकिस्तान को 58 रन से हराकर पहली बार एशिया कप जीता।

1994 - नई दिल्ली में एस्केप का स्वर्ण जयंती सत्र सम्पन्न।

1997 - अमेरिका के युवा गोल्फ खिलाड़ी एलड्रिक टाइगर वुड्स ने 21 साल की उम्र में यूएस मास्टर्स चैंपियनशिप जीतकर सबसे कम उम्र में यह खिताबी विजय दर्ज की। जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने।

2001 - विमान चालकों के लौटने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका का चीन के प्रति रुख सख्त।

2002 - शांति के प्रति एलटीटीई प्रमुख वी. प्रभाकरण की प्रतिबद्धता का संयुक्त राज्य अमेरिका ने स्वागत किया।

2003 - एलटीटीई ने टोकियो सहायता सम्मेलन का बहिष्कार किया।

2004 - एन्टीगुआ टेस्ट में ब्रायन लारा ने इंग्लैंड के विरुद्ध 400 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली।

2005 - विश्वनाथन आनन्द चौथी बार 'विश्व शतरंज चैम्पियन' बने।

2007 - भारत-रूस कूटनीतिक सम्बन्ध के 60 वर्ष पूरे हुए।

वर्तमान वैश्विक पटल पर भारत के लिए आपदा में अवसर हैं

- प्रहलाद सबनानी

अमेरिका ने अन्य देशों से अमेरिका में होने वाली आयातित उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर विश्व के लगभग समस्त देशों के विरुद्ध एक तरह से व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। इससे यह आभास हो रहा है आगे आने वाले समय में विभिन्न देशों के बीच सापेक्ष युद्ध न होकर व्यापार युद्ध होने लगेगा। चीन से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर तो अमेरिका ने 145 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। एक तरह से अमेरिका की ओर से चीन को यह खुली चुनौती है कि अब अपने उत्पादों को अमेरिका में निर्यात कर के बताए। 145 प्रतिशत के आयात कर पर कौन सा देश अमेरिका को अपने उत्पादों का निर्यात कर पाएगा, यह लगभग असम्भव है। इससे चीन की अर्थव्यस्था छिन्न भिन्न हो सकती है, यदि चीन, अमेरिका के स्थान पर विश्व के अन्य देशों को अपने उत्पादों का निर्यात नहीं बढ़ा पाया।

बगैर प्रत्यक्ष युद्ध किए, अमेरिका ने चीन पर एक तरह से विजय ही प्राप्त कर ली है और चीन की अर्थव्यवस्था को भारी नुक्सान करने के रास्ते खोल दिए हैं, हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। परंतु, ट्रंप प्रशासन ने विश्व के 75 देशों पर लागू किए गए टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर अन्यथा होने वाले विपरीत प्रभाव को बहुत बड़ी हद तक कम कर लिए गया है। अमेरिका संभवत चाहता है कि आर्थिक मोर्चे पर चीन पर इतना दबाव बढ़ाया जाए कि चीन की जनता चीन के वर्तमान सत्ताधरियों के विरुद्ध उठ खड़ी हो और चीन एक तरह से टूट जाए। अमेरिका ने लगभग इसी प्रकार का दबाव बनाकर सोवियत रूस को भी तोड़ दिया था।

कुल मिलाकर पूरे विश्व में विभिन्न देशों के बीच अब नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। यूरोपीयन यूनियन के समस्त सदस्य देश आपस में मिलकर अब अपनी सुरक्षा स्वयं करना चाहते हैं। अभी तक ये देश अमेरिका के सखा देश होने के चलते अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते थे। परंतु, वैश्विक स्तर पर बदली हुई परिस्थितियों के बीच इन देशों का अमेरिका पर विश्वास कम हुआ है एवं यह देश आपस में मिलकर अपनी स्वयं की सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। आगे आने वाले समय में यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश अपने सुरक्षा बजट में भारी भरकम वृद्धि कर सकते हैं। यहां, भारत के लिए अवसर निर्मित हो सकते हैं क्योंकि भारत में हाल ही के समय में सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादों की नई एवं भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता निर्मित हुई है। भारत आज सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से न केवल आत्म निर्भर हो रहा है बल्कि भारी मात्रा में उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है। आज सिंगापुर जैसे विकसित देश भी भारत से सुरक्षा उत्पाद खरीदने हेतु करार करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यदि यूरोपीयन देशों के साथ भारत की पटरी ठीक बैठ जाती है तो सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं मौजूद है। भारत, यूरोपीयन देशों के साथ सामूहिक तौर पर द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के प्रयास भी कर रहा है। इसी प्रकार, आगे आने वाले समय में यदि चीन के निर्यात अमेरिका को कम होते हैं तो चीन से विनिर्माण इकाईयों का पलायन तेजी से प्रारम्भ होगा। संभवत इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र, टेक्स्टायल क्षेत्र, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, प्रेशस मेटल के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है, क्योंकि, उक्त समस्त क्षेत्रों से चीन, अमेरिका को भारी मात्रा में निर्यात करता है।

अब 145 प्रतिशत के टैरिफ की दर पर चीन में निर्मित उत्पाद अमेरिका में नहीं बिक पाएंगे। अतः भारत के लिए इन समस्त क्षेत्रों में अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही हैं। टेक्स्टायल के क्षेत्र में तो वर्तमान में भारत के पास बहुत भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता भी उपलब्ध है। टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत के पड़ौसी देश ही अधिक प्रतिस्पर्धी बने हुए हैं, जैसे बंगलादेश, पाकिस्तान, चीन, वियतनाम आदि। इस समस्त देशों पर अमेरिका द्वारा लगाई गई टैरिफ की दर, भारत की तुलना में कहीं अधिक है। अतः टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत में निर्मित विभिन्न उत्पाद तुलनात्मक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। इसका सीधा सीधा लाभ भारतीय टेक्स्टायल उद्योग द्वारा उठाया जा सकता है। इसी प्रकार, मोबाइल फोन का उत्पादन करने वाली विश्व की सबसे बड़ी कम्पनियों में से सैमसंग एवं ऐपल नामक कम्पनियां भारत में अपनी उत्पादन क्षमता में भारी भरकम वृद्धि करने के बारे में विचार कर रही हैं। वर्ष 2024 में भारत से 2040 करोड़ अमेरिकी डॉलर के मोबाइल फोन का निर्यात विभिन्न देशों को हुआ हैं, यह वर्ष 2023 में हुए निर्यात की राशि से 44 प्रतिशत अधिक है। और, मोबाइल फोन के निर्यात में हुई इस भारी भरकम वृद्धि में ऐपल एवं सैमसंग कम्पनियों का योगदान सबसे अधिक रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई उत्पादन प्रोत्साहन योजना का लाभ भी भारत में मोबाइल निर्माता कम्पनियों ने भारी मात्रा में उठाया है। भारत आज स्मार्ट मोबाइल के उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यदि वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां इसी प्रकार बनी रहती हैं तो शीघ्र ही भारत मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा।

अन्य क्षेत्रों में उत्पादन करने वाली बहुराष्ट्रीय बड़ी बड़ी कम्पनियां भी अपनी विनिर्माण इकाईयों को चीन से स्थानांतरित कर भारत में स्थापित कर सकती हैं। कोविड महामारी के खंडकाल के समय भी यह उम्मीद की जा रही थी और चीन+1 नीति का अनुपालन करने के सम्बंध में कई कम्पनियों ने घोषणा की थी परंतु उस समय पर कई कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों को ताईवान, वियतनाम, एवं थाईलैंड, आदि जैसे छोटे छोटे देशों में ले गईं थी और इसका लाभ भारत को बहुत कम मिला था। परंतु, आज परिस्थितियां बहुत बदली हुई हैं। छोटे छोटे देशों में बहुत भारी मात्रा में उत्पादन करने वाली विनिर्माण इकाईयां स्थापित करने की बहुत सीमाएं हैं। इन देशों में श्रमबल की उपलब्धता सीमित मात्रा में है। जबकि भारत में इस दौरान आधारिक संरचना एवं मूलभूत सुविधाओं में अतुलनीय सुधार हुआ है और भारत में श्रमबल भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

आज जापान, इजराईल, ताईवान, रूस, जर्मनी, फ्रांस, आस्ट्रेलिया आदि विकसित देश श्रमबल की कमी से जूझ रहे हैं। कई विकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि दर लगभग शून्य के स्तर पर आ गई है। बल्कि, कुछ देशों में तो जनसंख्या में कमी होती हुई दिखाई दे रही है। दूसरे, इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है और इन प्रौढ़ नागरिकों की देखभाल के लिए भी युवा नागरिकों की आवश्यकता है। अब कुछ देशों जैसे जापान, इजराईल, ताईवान आदि ने भारत सरकार से भारतीय नागरिकों के इन देशों में बसाने के बारे में विचार करने को कहा है। इजराईल सरकार ने लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग भारत सरकार से की है, जापान सरकार ने भी लगभग 2 लाख भारतीयों की मांग की है एवं ताईवान सरकार ने भी लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग की है। भारत आज विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे युवा देश है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 संपादक - आदित्य वशिष्ठ कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

लालजी टंडन ने 7 दशक तक राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बनाकर रखी: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को पूर्व राज्यपाल लालजी टंडन की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पूर्व राज्यपाल लालजी टंडन भारत माता के ऐसे सपूत थे जिन्होंने लखनऊ, प्रदेश और देश की राजनीति में लगभग 7 दशक तक अपनी एक मजबूत पहचान बनाकर रखी। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में सम और विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए एक पार्टी, एक विचारधारा और जीवन भर राष्ट्रवाद के मूल्यों का अनुसरण किया।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि टंडनजी की लखनऊ, प्रदेश और देश की राजनीति में प्रभावी उपस्थिति, उनके मूल्यों और आदर्शों को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि टंडन जी के व्यक्तित्व में हमेशा दिखायी देता था कि जब एक व्यक्ति अपनी मर्यादाओं का पालन करता है तो उसे शिखर तक पहुंचने में देर नहीं लगती है। उन्होंने लखनऊ में एक सामान्य कार्यकर्ता, स्वयंसेवक के रूप में लखनऊ नगर पालिका परिषद और लखनऊ नगर निगम पार्षद के बाद विधान परिषद सदस्य और फिर विधायक के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री के रूप में अपनी भूमिका निभायी। इसके बाद वह लखनऊ के लोकप्रिय सांसद बने। उनकी सार्वजनिक छवि, आम जनमानस के साथ उनके संवाद, हर एक के सुख-दुख में सहभागी बनने के ज्जबे को सभी ने देखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि टंडन जी की सेवाएं, उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी एक प्रेरणा बना हुआ है। योगी ने उनकी 90वीं जयंती पर उनका स्मरण करते हुए उनकी

मुख्यमंत्री ने पूर्व राज्यपाल की जयंती पर उन्हें किया याद

स्मृतियों को नमन किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, मंत्री असीम अरुण, मेयर सुषमा खर्कवाल, सासंद बृज लाल, विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, विधायक ओपी श्रीवास्तव, सुरेश तिवारी, डॉ.नीरज बोरा, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संजय चौधरी, अमित टण्डन, नीरज सिंह, रजनीश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

राणा सांगा की यशगाथा इतिहास का स्वर्णिम अध्याय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर परम प्रतापी राणा सांगा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपने संदेश में राणा सांगा के शौर्य, राष्ट्रभक्ति और धर्मरक्षा के लिए उनके समर्पण को स्मरण किया। मुख्यमंत्री ने लिखा, 'धर्मरक्षा हेतु समर्पित रहे परम प्रतापी राणा सांगा जी की जयंती पर उन्हें कोटिशः नमन! राष्ट्रभक्ति और त्याग की प्रतीक उनकी यशगाथा इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उनका शौर्य युगों-युगों तक भारतभूमि को स्वाभिमान से सिंचित करता रहेगा।' मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राणा सांगा के जीवन को प्रेरणादायी बताते हुए उनके योगदान को भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण हिस्सा करार दिया। उनके इस संदेश को सोशल मीडिया पर व्यापक सराहना मिल रही है।

प्रदेश की पहली गरीबी मुक्त ग्राम पंचायत बनी 'रगोली', मुख्य सचिव ने किया ऐलान

जालौन। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले की ग्राम पंचायत रगौली ने एक नया आयाम स्थापित किया है और प्रदेश की पहली गरीबी मुक्त ग्राम पंचायत बन गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गरीबी मुक्त उत्तर प्रदेश के सपने को साकार करते हुए इस ग्राम पंचायत ने यह उपलब्धि हासिल की है।

बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अक्टूबर 2024 में 'जीरो पॉवर्टी योजना' की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य प्रदेश के गांवों को गरीब मुक्त बनाना था। इस योजना के तहत जालौन के 574 ग्राम पंचायतों में जरूरतमंद परिवारों को चिन्हित कर योजना का लाभ देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। जिला प्रशासन द्वारा किए गए व्यापक सर्वेक्षण में रगौली ग्राम पंचायत में 22 वंचित परिवार पाए गए, जिन्हें लगभग 15 सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया गया। जिसमें मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, मुफ्त बिजली कनेक्शन, खाद्यान्न वितरण, बायोगैस

योजना, युवा उद्यमी योजना शामिल रही। इन योजनाओं के माध्यम से रगौली ग्राम पंचायत के सभी परिवारों को संतृप्त कर दिया गया है। जिससे यह ग्राम पंचायत प्रदेश की पहली गरीबी मुक्त ग्राम पंचायत बन गई है।

उत्तर प्रदेश शासन के मुख्य सचिव मनोज सिंह ने रगौली गांव का निरीक्षण करने के बाद इसे जीरो पॉवर्टी गांव घोषित किया था। उन्होंने बीते दिनों इस ग्राम पंचायत का भ्रमण कर परिवारों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति का जायजा लिया था और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को सरकार द्वारा पूरा करने की बात कही थी।

डीपीआरओ राम अयोध्या प्रसाद ने शनिवार को बताया कि ग्राम रगोली में विकास कार्यों से लेकर गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाते हुए यहां के 22 परिवारों का उत्थान किया गया है। मुख्य सचिव के द्वारा इसे प्रदेश की पहली गरीबी मुक्त ग्राम पंचायत बनने की घोषणा की गई है।

दो दिनों से लापता मजदूर का कुएं में मिला शव

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र के आलूखेड़ा गांव में एक कुएं से मजदूर का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान राधेलाल के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद शव बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं। मृतक के परिजनों ने बताया कि राधेलाल गुरुवार को काम पर जाने की बात कहकर घर से निकला था। वह गांव में रहने वाले ठेकेदार नीरज के साथ मजदूरी करता था। शुक्रवार देर रात परिजनों को सूचना मिली कि ठेकेदार के घर के पीछे बने कुएं में कोई शव तैरता हुआ दिखाई दिया है। महाराजपुर थाना प्रभारी ने संजय कुमार पांडेय ने बताया कि परिजनों द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

IPL का सट्टा लगाने वाले 9 सटोरिये गिरफ्तार

मुरादाबाद। थाना सिविल लाइन पुलिस ने आईपीएल का सट्टा लगाने वाले 9 सटोरियों को शनिवार को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित सटोरियों के कब्जे से 1,46,175 रुपये, 10 स्मार्ट मोबाइल, 10 एटीएम कार्ड, एक पिस्टल, एक रिवाल्वर, सहित अन्य सामान बरामद हुआ है।

पुलिस लाइन सभागार में पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह, सिविल लाइन सर्किल के क्षेत्राधिकारी कुलदीप गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि आज सिविल लाइन क्षेत्र में पीटीसी गेट के पास कौशल कपूर के मकान से मुखबिर की सूचना पर आईपीएल में वृहद स्तर पर सट्टा करने वाले नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। एसपी सिटी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में थाना सिविल लाइन क्षेत्र के दीनदयाल नगर निवासी सुशील उर्फ सुरेंद्र पुत्र चंद्रपाल, रामगंगा विहार निवासी अभिनव पुत्र महेंद्र सिंह, सदर कोतवाली क्षेत्र के जीएमडी रोड जवाहर मार्केट निवासी कौशल कपूर पुत्र हृदय नारायण कपूर, सदर कोतवाली के आबकारी भवन के पास रहने वाले विपुल पुत्र मनोहर, थाना मझोला क्षेत्र के लाइनपार शंकर नगर निवासी मनोज अरोड़ा पुत्र रविकांत अरोड़ा, थाना मझोला के मिलन विहार निवासी धर्मेंद्र कुमार पुत्र बृजपाल सिंह, थाना सिविल लाइन के आकाश मेघदूतम निवासी रोहित गुप्ता पुत्र चंद्रकांत गुप्ता, थाना सिविल लाइन के दीनदयाल नगर निवासी हेमंत कुमार पुत्र सुरेंद्र सिंह, थाना नागफनी क्षेत्र के किसरौल ख्वाजा निवासी मोहम्मद शहजादे सलीम पुत्र मोहम्मद नईम को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार आरोपितों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि हम सभी लोग बीते 10-12 वर्षों से हर वर्ष होने वाले आईपीएल में लोगों को लालच देकर गेम खेलने के लिए तैयार करते हैं।

आईपीएल की शुरुआत से ही आईपीएल के बड़े बुकी से मास्टर आईडी प्राप्त कर लिंक के माध्यम से लॉगिन आईडी पासवर्ड बनाकर लोगों को आईपीएल का सट्टा खिलाते हैं। सट्टे के रूपयों का लेनदेन हम लोग ऑनलाइन खातों में ले देकर तथा नगर लेनदेन से करते हैं। पहले हम लोगों को प्रलोभन देकर क्रिकेट में सट्टा खिलाने की लत डाल देते हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना सिविल लाइन के प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना, वरिष्ठ उप निरीक्षक हरेंद्र सिंह, सब इंस्पेक्टर अनुज कुमार, हेड कांस्टेबल अंकुल, कांस्टेबल कुलदीप, टिंकू, अरुण कुमार, अशोक कुमार आदि रहे।

पति ने की पत्नी और बच्चे की हत्या, हुआ फरार

अयोध्या। कोतवाली नगर के देवकाली चौकी अंतर्गत शिवनगर कालोनी के पीछे जंगल में झुग्गियों में रहने वाले एक पति ने अपनी पत्नी और मासूम बच्चे की हत्या कर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार मासूम की गला दबाकर हत्या करने के बाद पत्नी की धारदार हथियार से हत्या की गई। घटना के समय उसका बड़ा बेटा पड़ोस के एक घर में सोने गया था। घटना की जानकारी शनिवार को हुई।

थाना कोतवाली पुलिस ने बताया कि असम के बरबटा जिले के रहने वाले शहजान खंडकर ने शुक्रवार-शनिवार की रात अपनी पत्नी नेशिया बेगम व पांच वर्षीय बच्चे सहादकर खेडकर की हत्या कर दी। घटना की जानकरी शनिवार उस समय हुई जब उसका बड़ा बेटा नेबुतुल्ला (10) घर में आया तो उसने अपनी मां व भाई को जमीन पर पड़ा देखा। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंचे एसपी सिटी मधुबन सिंह, सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह, नगर कोतवाली अश्विनी पांडेय ने घटनास्थल की जांच की। मौके से हत्या में प्रयुक्त हथियार नहीं मिला।

शैलेंद्र कुमार ने बताया कि पति ने पहले बेटे की गला दबाकर हत्या की, उसके बाद पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर उसे भी मौत के घाट उतार दिया। हत्या के कारणों का पता किया जा रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि उक्त स्थान पर करीब तीन साल से असम के रहने वाले एक विशेष समुदाय के 21 परिवार झुग्गियां बनाकर रहते हैं, सभी कबाड़ बीनने का काम करते हैं। उक्त जमीन विवादित बताई जाती है, एक पक्ष ने उक्त जमीन इन्हें किराए पर दे रखी है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सभी परिवार के बांगलादेशी होने की संभावना है, इसकी कई बार पुलिस से शिकायत भी की गई, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। घटना के बाद पुलिस अब सभी परिवारों की जांच पड़ताल में जुट गई है।

तालाब में डूबने से बीस वर्षीय युवक की मौत

जालौन। जालौन नगर में शनिवार को एक 20 वर्षीय युवक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक युवक की पहचान कपिल के रूप में हुई है, जो ग्राम घमौरी जिला भिण्ड का निवासी था और अपने रिश्तेदारों के घर आया हुआ था। बता दें कि, कपिल अपने रिश्तेदारों के घर के पीछे बने तालाब में नहाने गया था, जहां वह डूब गया। घटना की सूचना मिलते ही जनपद के आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए और बचाव अभियान चलाया गया। मृतक के परिजनों ने बताया कि कपिल अपने रिश्तेदारों के घर आया हुआ था और तालाब में नहाने गया था। जब वह काफी देर तक वापस नहीं आया, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की और तालाब में उसकी लाश मिली। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी जालौन शैलेंद्र बाजपेई ने बताया कि युवक के डूबने की सूचना प्राप्त हुई थी। उसे रेस्क्यू किया गया है। युवक की मौत तालाब में डूबने से हुई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

वाराणसी: बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान में निकली जागरूकता रैली

वाराणसी। हनुमत जयंती पर शनिवार को भेलूपुर बजरडीहा इलाके में स्कूली बच्चों ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ तथा बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के अभियान में जागरूकता रैली निकाली। नई सुबह एक उम्मीद संस्था के कार्यकर्ताओं के साथ श्री रामजानकी शिक्षण संस्थान के बच्चों ने विद्यालय परिसर से बजरडीहा होते हुए वापस विद्यालय तक रैली निकाली। रैली का संचालन विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप मस्तान ने किया।

रैली के दौरान संस्था की अध्यक्ष ममता ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि बेटियां कुदरत का दिया हुआ अनमोल उपहार हैं। यह बेटों से कम नहीं हैं। वर्तमान समय में बेटिया हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में उन्हें शिक्षा के अधिकार से जोड़ना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिसका निर्वहन हम सभी को करना चाहिए। संस्था के मोहम्मद अनीस ने लोगों को बेटियों को बचाने के लिए उन्हें शिक्षा के अधिकार से जोड़ने के लिए शपथ दिलाया। रैली में शकुंतला देवी, माला देवी, सोनी, अन्नपूर्णा, नंदलाल, जयप्रकाश गौतम, सुमन लता आदि शामिल रहे।

हर बूथ और मंडल को सशक्त बनाना होगा: धर्मपाल सिंह

सुल्तानपुर। भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि कहा हर बूथ व हर मंडल को फुलप्रूफ व मजबूत बनाना होगा। उन्होंने बूथ जीतो चुनाव जीतो का मंत्र दिया। शनिवार को भाजपा स्थापना दिवस के साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रंखला में गांव -वार्ड चलो अभियान के तहत संबोधित किया।

इसौली विधानसभा के बूथ संख्या 182 दाउदपुर पर स्थित एक मैरिज लाइन में बूथ समिति, मंडल एव पूर्व जिलाध्यक्षों, पूर्व जिला पदाधिकारियों व पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने 2027 में इसौली विधानसभा में जीत का परचम फहराने के लिए कार्यकर्ताओं को बूथ मैनेजमेंट के टिप्स व मंत्र दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा नेशन फर्स्ट को लेकर काम करती है। यह भी कहा आज देश व प्रदेश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। हमको विपक्ष के हर षड्यंतों को चकनाचूर करना होगा। उन्होंने

कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क कर हर पात्र गरीब व वंचितों को सरकार की योजना का लाभ दिलाने का आह्वान किया। भाजपा वादों को पूरा करने वाला राजनीतिक दल है।

इस दौरान उन्होंने 4 लोकतंत्र सेनानियों डॉ अनन्त प्रसाद पाण्डे, डॉ वीपी सिंह, पुत्तीलाल तिवारी एवं गंगा प्रसाद को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने दाउदपुर स्थित काली माता के मंदिर पर स्वच्छता अभियान चलाया। मनियारपुर में दलित बस्ती में जाकर प्रभावशाली दलित नेताओं को सम्मानित किया। दाउदपुर में कार्यकर्ताओं के साथ शोभा यात्रा भी निकाली । भाजपा प्रदेश मंत्री मीना चौबे ने कार्यक्रम का समापन करते हुए सभी का धन्यवाद व आभार प्रकट किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने आए हुए कार्यकर्ताओं से भाजपा के अभियानों में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।

तीन सत्रों का संचालन श्याम बहादुर पांडे, विजय त्रिपाठी व आनंद द्विवेदी ने किया। विभिन्न बैठकों में डॉ एमपी सिंह, गिरीश नारायण सिंह, शैलेंद्र प्रताप सिंह, रामचन्द्र मिश्रा, ओमप्रकाश पांडे समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता हुआ पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

सुलतानपुर में खुदाई के दौरान मिली प्राचीन हनुमान जी की मूर्ति

सुल्तानपुर। कुड़ेभार क्षेत्र के एक गांव में खुदाई के दौरान शनिवार को प्राचीन हनुमान जी की मूर्ति मिलने से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हनुमान जी के जयकारों के साथ साफ सफाई एवं धुलाई के बाद पूजा अर्चना शुरू हो गई।

कुड़ेभार थाना क्षेत्र के फूलपुर गांव में सुरेश पांडेय के घर के सामने शनिवार को गड्ढा खोदते मजदूरों का फावड़ा कठोर चीज से टकराया। मजदूरों ने मालिक को बुलाया और खुदाई की तो हनुमान जी की प्रतिमा मिली। सूचना पर थाना अध्यक्ष शरदेंदु दूबे प्रतिमा निकालने में लोगों के साथ जुट गए। बजरंग बली की मूर्ति की साफ सफाई व स्नान करवाकर, पूजा अर्चना शुरू कर दिया गया। आज हनुमान जयंती के पावन अवसर पर, उनकी मूर्ति का

प्रकट होना, लोग चमत्कार मान रहे हैं। हनुमान जी के जयकारे भी लगा रहे हैं। देखते ही देखते हनुमान जी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी।

हनुमान जन्मोत्सव पर मंदिरों में भक्तों की भीड़, पुलिस सुरक्षा में मुस्तैद

प्रयागराज। श्री हनुमान जन्मोत्सव के मद्देनजर नगर के संगम क्षेत्र में स्थित बड़े हनुमान मंदिर सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। संगम स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई है।

पुलिस उपायुक्त नगर अभिषेक भारती ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर संगम क्षेत्र में स्थित बड़े हनुमान मन्दिर व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर शान्ति एवं कानून व्यवस्था का जायजा लिया है। इसके साथ ही ड्रोन कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी की जा रही है। इतना ही नहीं नगर में स्थित अन्य हनुमान मंदिरों की सुरक्षा को लेकर पुलिस

बल तैनात करते हुए मुस्तैदी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर शनिवार को सुबह से ही संगम समेत अन्य स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी हुई।

हनुमत जयंती पर निकली श्री हनुमान ध्वजा यात्रा

वाराणसी। चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि पर शनिवार को काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ की नगरी में हनुमत जयंती उल्लासपूर्ण माहौल में मनाई जा रही है। श्री संकट मोचन मंदिर सहित सभी हनुमत मंदिरों में दर्शन पूजन के लिए युवाओं की भीड़ उमड़ रही है। हनुमत जयंती पर ही परम्परानुसार नगर के कई हिस्सों में श्री हनुमान ध्वजा यात्रा निकाली गई।

इसी क्रम में श्री हनुमत सेवा समिति नेवादा के तत्वावधान में भिखारीपुर तिराहे से श्री संकट मोचन मंदिर तक श्री हनुमान ध्वजा यात्रा निकाली गई। यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं के साथ महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश सहित पूर्वांचल के कई जिलों से आए श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। श्री हनुमत सेवा समिति के पदाधिकारियों के अनुसार इस बार यात्रा का 22वां संस्करण रहा। इसमें लगभग 20 हजार श्रद्धालुओं के साथ बच्चों और महिलाओं ने भी भाग लिया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु हनुमान जी के जयकारों के साथ हाथों में हनुमत ध्वज लेकर चल रहे थे।

वहीं कई भक्तों के हाथों में गदा और शिव का विशाल त्रिशूल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं की सेवा के लिए मार्ग में 250 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें फल, मिठाई, लस्सी, जूस, छाछ और ड्राईफ्रूट आदि की निःशुल्क व्यवस्था की गई थी।

इसी क्रम में शहर के रविंद्रपुरी और सुंदरपुर क्षेत्र से भी भक्तों ने हनुमत ध्वज यात्रा निकाली। श्री संकट मोचन मंदिर पर पहुंचकर यात्रा का समापन हुआ।

सौर ऊर्जा से सशक्त होंगी ग्रामीण महिलाएं

यूपी सरकार 10 हजार पर्यावरण सखियों को प्रशिक्षित करेगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिये सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 10,000 'पर्यावरण सखियों' को प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार से जोड़ने की योजना बनाई है। एक बयान के अनुसार, यह पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ हरित ऊर्जा को भी बढ़ावा देगी। सरकार ने कहा कि इस मिशन के तहत प्रेरणा ओजस प्राइवेट लिमिटेड सौर ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल है, जिसमें सौर उत्पाद विनिर्माण, विकेन्द्रीकृत सौर प्रणाली, स्वच्छ खाना पकाने के उत्पाद और सौर खुदरा दुकानें शामिल हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए एक अनूठी पहल शुरू की है, जो ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता की नई राह दिखाएगी। सरकार ने कहा कि मिशन का मुख्य ध्यान सौर ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में यह कदम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में लखनऊ में एक सौर उत्पाद निर्माण इकाई शुरू की गई, जबकि 20 जिलों के 207 विकास खंडों में 414 सौर खुदरा दुकानें स्थापित की गईं, जिनसे 414 महिलाओं को लाभ हुआ। इसके अलावा 80 सौर खाद्य प्रसंस्करण मशीन, ड्रायर, और डीफ्रीजर स्थापित किए गए।

मिशन निदेशक दीपा रंजन ने इस महत्वाकांक्षी योजना की बारीकियों को साझा करते हुए बताया कि अगले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश को सौर ऊर्जा और महिला सशक्तीकरण का केंद्र बनाने का एक विस्तृत खाका तैयार किया गया है। इस रणनीति के तहत हर मंडल में सौर उत्पाद विनिर्माण इकाइयों की स्थापना की जाएगी। प्रदेश में कुल 18 मंडलों को कवर करते हुए इन इकाइयों के माध्यम से 540 महिलाओं को सीधे रोजगार प्रदान किया जाएगा। ये इकाइयां सौर पैनल, बैटरी, और अन्य अत्याधुनिक उत्पादों के निर्माण पर केंद्रित होंगी, जो न केवल स्थानीय जरूरतों को पूरा करेंगी, बल्कि बाजार में भी अपनी पहचान बनाएंगी। इसके अलावा सरकार 826 विकास खंडों में 3,304 सौर दुकानों की स्थापना करने जा रही है।

प्रत्येक विकास खंड में औसतन चार दुकानें खोली जाएंगी, जो सौर लालटेन, चार्जर और छोटे घरेलू उपकरणों की बिक्री और मरम्मत के लिए केंद्र के रूप में काम करेंगी। इससे 3,304 महिलाएं इन दुकानों का संचालन कर आर्थिक रूप से सशक्त होंगी, साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा का प्रसार तेज होगा। प्रदेश में 20,000 विकेंद्रीकृत सौर उत्पादों जैसे सौर खाद्य प्रसंस्करण मशीन, सौर ड्रायर, और सौर डीफ्रीजर की स्थापना की जाएगी। इन उत्पादों से 20,000 महिलाओं को उद्यमिता का मौका मिलेगा, जो उन्हें छोटे व्यवसाय शुरू करने और स्थानीय स्तर पर आय सृजन में सक्षम बनाएगा। ये उत्पाद खाद्य संरक्षण और ऊर्जा संचयन में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। इसके अलावा, प्रदेश की 57,702 ग्राम पंचायतों में 57,702 'सूर्य सखियों' की तैनाती की जाएगी।

हर ग्राम पंचायत में एक सूर्य सखी होगी, जो सौर ऊर्जा उत्पादों के उपयोग, रखरखाव, और जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी लेगी। यह कदम ग्रामीण स्तर पर ऊर्जा क्रांति को गति देगा और महिलाओं को तकनीकी नेतृत्व की भूमिका में लाएगा। प्रदेश में अगले तीन साल में 10,000 पर्यावरण सखियों का प्रशिक्षण देकर दिया जाएगा। ये सखियां स्वच्छ ऊर्जा से खाना पकाने के समाधानों जैसे, सौर चूल्हे और बायो-गैस सिस्टम को बढ़ावा देंगी, जो धुएं से मुक्त रसोई और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करेंगी। इससे घरेलू प्रदूषण कम होगा, महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होगा, और ग्रामीण जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आएगा।

पर्यावरण सखियां सौर ऊर्जा को देंगीं बढ़ावा

प्रदेश में अगले तीन साल में 10,000 पर्यावरण सखियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ये सखियां क्लीन कुकिंग समाधानों जैसे, सौर चूल्हे और बायो-गैस सिस्टम को बढ़ावा देंगी। इससे घरेलू प्रदूषण कम होगा, महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होगा, और ग्रामीण जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव आएगा। इन सभी योजनाओं के जरिए योगी सरकार प्रदेश की एक लाख महिलाओं को सौर ऊर्जा के साथ जोड़ेगी, जो न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी, बल्कि प्रदेश को में हरित ऊर्जा और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देगी।

हर ग्राम पंचायत में सूर्य सखी की होगी तैनाती

वहीं, सरकार 57,702 ग्राम पंचायतों में 57,702 सूर्य सखियों की तैनाती करेगी। हर ग्राम पंचायत में एक सूर्य सखी होगी, जो सौर ऊर्जा उत्पादों के उपयोग, रखरखाव, और जागरूकता फैलाने की जिम्मेदारी लेगी। यह कदम ग्रामीण स्तर पर ऊर्जा क्रांति को गति देगा और महिलाओं को तकनीकी नेतृत्व की भूमिका में लाएगा।

हर विकास खंड में खुलेंगी चार सौर शॉप्स

उत्तर प्रदेश सरकार इस पहल के तहत 826 विकास खंडों में 3,304 सौर शॉप्स की स्थापना करने जा रही है। हर विकास खंड में औसतन चार शॉप्स खोले जाएंगे, जो सौर लालटेन, चार्जर और छोटे घरेलू उपकरणों की बिक्री और मरम्मत का काम करेंगी। इससे 3,304 महिलाएं इन शॉप्स का संचालन कर आर्थिक रूप से सशक्त होंगी साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा का प्रसार तेज होगा।

20 हजार महिलाओं को रोजगार देगा यह कदम

यूपी सरकार ने प्रदेशभर में 20,000 विकेंद्रीकृत सौर उत्पादों जैसे सोलर फूड प्रोसेसिंग मशीन, सोलर ड्रायर, और सोलर डीफ्रीजर की स्थापना का प्लान बनाया है। इन उत्पादों से 20,000 महिलाओं को उद्यमिता का मौका मिलेगा, जो उन्हें छोटे व्यवसाय शुरू करने और स्थानीय स्तर पर आय सृजन में सक्षम बनाएगा। ये उत्पाद खाद्य संरक्षण और ऊर्जा संचयन में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे।

अमेरिकी शुल्क से वैश्विक व्यापार में तीन प्रतिशत की कमी आने की आशंका: संयुक्त राष्ट्र अर्थशास्त्री

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के एक शीर्ष अर्थशास्त्री ने कहा है कि अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क के कारण वैश्विक व्यापार में तीन प्रतिशत की कमी आ सकती है और निर्यात अमेरिका और चीन जैसे बाजारों से भारत, कनाडा और ब्राजील की ओर स्थानांतरित हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले सप्ताह एक व्यापक शुल्क योजना की घोषणा की। अमेरिका ने बाद में चीन को छोड़कर अधिकांश देशों के लिए 'जवाबी शुल्क' पर 90 दिनों की रोक की घोषणा की। बदले में चीन ने अमेरिकी वस्तुओं के आयात पर 125 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला किया है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र की कार्यकारी निदेशक पामेला कोक-हैमिल्टन ने शुक्रवार को जिनेवा में कहा, "व्यापार तरीके और आर्थिक एकीकरण में महत्वपूर्ण दीर्घकालिक बदलावों के साथ वैश्विक व्यापार में तीन प्रतिशत की कमी आ सकती है।" उन्होंने कहा, "उदाहरण के लिए, मेक्सिको से निर्यात, जो अत्यधिक प्रभावित हुआ है, अमेरिका, चीन, यूरोप और यहां तक कि अन्य लातिन अमेरिकी देशों जैसे बाजारों से स्थानांतरित हो रहा है। इससे निर्यात कनाडा और ब्राजील और कुछ हद तक भारत में मामूली लाभ हो रहा है।" उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, वियतनामी निर्यात अमेरिका, मैक्सिको और चीन से हट रहा है, जबकि पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका (एमईएनए) बाजारों, यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया और अन्य बाजारों की ओर काफी बढ़ रहा है। परिधान का उदाहरण देते हुए कोक-हैमिल्टन ने कहा कि विकासशील देशों के लिए आर्थिक गतिविधि और रोजगार के मामले में कपड़ा उद्योग शीर्ष उद्योग है। इस संदर्भ में, उन्होंने कहा कि अगर यह लागू होता है तो दुनिया के दूसरे सबसे बड़े परिधान निर्यातक बांग्लादेश को 37 प्रतिशत का जवाबी शुल्क झेलना पड़ेगा, जिससे 2029 तक अमेरिका को वार्षिक निर्यात में 3.3 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों के लिए किसी भी वैश्विक झटके से निपटने के लिए समाधान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा - चाहे वह कोविड महामारी हो, जलवायु आपदा हो या नीतियों में अचानक बदलाव हो - तीन क्षेत्रों - विविधीकरण, मूल्य संवर्धन और क्षेत्रीय एकीकरण को प्राथमिकता देने में निहित है। उन्होंने कहा, "इसलिए विकासशील देशों के लिए न केवल अनिश्चितता के समय से निपटने के अवसर हैं, बल्कि लंबी अवधि के लिए सक्रिय रूप से तैयारी करने के भी अवसर हैं।" कोक-हैमिल्टन ने कहा कि फ्रांसीसी अर्थशास्त्र अनुसंधान संस्थान सीईपीआईआई के साथ तैयार प्रारंभिक अनुमान, 90-दिवसीय विराम की घोषणा और चीन पर अतिरिक्त शुल्क बढ़ोतरी से पहले गणना की गई थी। यह दर्शाता है कि 2040 तक, तथाकथित 'जवाबी' शुल्क और प्रारंभिक प्रतिवादों का प्रभाव वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को 0.7 प्रतिशत तक कम कर सकता है। मेक्सिको, चीन और थाईलैंड जैसे देशों और दक्षिणी अफ्रीका के देश भी अमेरिका के साथ-साथ सबसे अधिक प्रभावित हैं। अमेरिकी आयात पर 125 प्रतिशत शुल्क लगाने के चीन के फैसले पर, एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट (एएसपीआई) के वाशिंगटन डीसी स्थित कार्यालय की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक वेंडी कटलर ने कहा कि अमेरिकी आयात पर शुल्क बढ़ाने की चीन की घोषणा से यह स्पष्ट है कि यह उम्मीदें गलत हैं कि चीन इस व्यापार युद्ध में पहले कदम उठाएगा। उन्होंने कहा, "चीन को लंबी लड़ाई लड़नी है। उसने शायद यह संकेत देते हुए कि यह भी स्वीकार किया है कि वह शुल्क के साथ जवाबी कार्रवाई करने के अंतिम बिंदु पर पहुंच गया है कि उसके पास अपने शस्त्रागार में बहुत सारे अन्य उपकरण हैं जिन्हें आगे सक्रिय किया जा सकता है यदि अमेरिका आज अतिरिक्त उपायों के साथ जवाब देता है।" उन्होंने कहा कि वर्तमान में लागू भारी शुल्क - अमेरिका में चीनी आयात पर 145 प्रतिशत तथा चीन में अमेरिकी आयात पर 125 प्रतिशत - वस्तुतः विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सभी वस्तु व्यापार को रोक देगा।

अब 351 प्रति किलो से सस्ती भुनी सुपारी का आयात नहीं होगा, केंद्र सरकार ने लगाई रोक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भुनी हुई सुपारी के आयात पर बड़ा फैसला लेते हुए इसे फ्री कैटेगरी से हटाकर प्रतिबंधित' श्रेणीमें डाल दिया है। इससे अब केवल वही भुनी सुपारी भारत में आयात की जा सकेगी, जिसकी आयात की कुल लागत 351 रुपये या उससे अधिक प्रति किलो होगी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) ने 2 अप्रैल को इस संबंध में अधिसूचना जारी की थी। इसमें कहा गया है कि आईटीसी (एचएस) कोड 08028090 के तहत आने वाली सभी प्रोसेस्ड सुपारी भुनी सुपारी समेत को अब एक ही कोड के तहत लाकर फ्री की जगह प्रोहिबिटेड श्रेणी में रखा गया है। केंद्रीय सुपारी एवं कोको विपणन और प्रसंस्करण सहकारी संस्था के अध्यक्ष ए. किशोर कुमार ने इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि कुछ आयातक पहले भुनी सुपारी को गलत HSN कोड्स के तहत आयात कर रहे थे, जिससे कस्टम ड्यूटी से बचा जा रहा था। जनवरी में कैम्पको ने इस बारे में सरकार को पत्र लिखकर बताया था कि भुनी सुपारी को वैल्यू एडेड उत्पाद मानते हुए इसे 080280 और अन्य संबंधित कोड्स के तहत गलत तरीके से मंगाया जा रहा है। इससे न केवल कस्टम ड्यूटी में हेराफेरी हो रही थी, बल्कि देशी सुपारी किसानों को भारी नुकसान भी हो रहा था।

न्यूनतम आयात मूल्य से सुधरेगा बाजार

कोडगी के अनुसार 351 प्रति किलो या उससे ऊपर का आयात मूल्य तय होने से अब सभी तरह की आयातित सुपारी पर एक न्यूनतम मूल्य का पालन अनिवार्य हो गया है। इससे बाजार में इंपोर्टेड और देशी सुपारी के मिलावट का खेल बंद होगा और देशी सुपारी की कीमतों में सुधार की उम्मीद है।

किसानों के हितों की होगी रक्षा

कैम्पको अध्यक्ष ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह फैसला भारतीय किसानों के हितों की रक्षा करेगा और गलत तरीके से हो रहे आयातों के कारण बाजार में जो विकृति आ रही थी, उसे रोकेगा। साथ ही, भारतीय सुपारी की घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गुणवत्ता और प्रतिष्ठा को भी मजबूत करेगा।

संक्षिप्त खबरें

भारत ने पोत परिवहन पर पहले वैश्विक कार्बन कर के पक्ष में मतदान किया

नई दिल्ली। भारत और 62 अन्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र की पोत परिवहन एजेंसी के उद्योग पर पहले वैश्विक कार्बन कर लगाने के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है। एक सप्ताह की गहन बातचीत के बाद शुक्रवार को लंदन में अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) के मुख्यालय में इस बारे में फैसला किया गया। इस कदम का मकसद पानी के जहाजों से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना है। यह पहली बार है, जब किसी पूरे उद्योग पर वैश्विक कार्बन कर लगाया गया है। इसके तहत 2028 से जहाजों को या तो कम उत्सर्जन वाले ईंधन को अपनाना होगा या उनके द्वारा किये गए प्रदूषण के लिए शुल्क का भुगतान करना होगा। इस कर से 2030 तक 40 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि जुटाई जा सकती है। इस समझौते को अंतरराष्ट्रीय जलवायु नीति के लिए एक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। कार्बन कर से जुटाए गए राजस्व का इस्तेमाल समुद्री क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने के लिए किया जाएगा।

दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन नीति से 20,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद

नई दिल्ली। दिल्ली की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति 2.0 से 20,000 तक नौकरियां पैदा हो सकती हैं और इसके तहत बैटरी संग्रह केंद्र भी स्थापित किए जाएंगे, साथ ही चार्जिंग और बैटरी अदला-बदली स्टेशनों का शहरव्यापी नेटवर्क भी स्थापित किया जाएगा। नई प्रस्तावित नीति के बारे में पीटीआई-भाषा से बात करते हुए दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को कहा कि इस नीति का उद्देश्य प्रदूषण को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने को प्रोत्साहित करना है। इसका मुख्य ध्यान दोपहिया, बस, तिपहिया और माल वाहक जैसे बड़े वाहनों पर होगा, जिसका उद्देश्य उन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना है। पीटीआई-भाषा द्वारा प्राप्त नीति के मसौदे के अनुसार, जीएनसीटीडी (दिल्ली सरकार) नीति अवधि के दौरान 20,000 ईवी नौकरियों के सृजन का लक्ष्य रखेगी और बैटरी रीसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण) पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए बैटरी संग्रह केंद्र भी स्थापित कर सकती है।

इंडियन ओवरसीज बैंक ने कर्ज पर ब्याज दर 0.25 % घटाई

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने रेपो दर से संबद्ध ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की है। बैंक ने शनिवार को यह जानकारी दी। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की हालिया बैठक में नीतिगत दर रेपो को 6.25 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत करने का निर्णय लिया। बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती का निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले सप्ताह भारतीय वस्तुओं के आयात पर 26 प्रतिशत शुल्क की घोषणा के बाद बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच आया है। परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति ने 11 अप्रैल को आयोजित अपनी बैठक में ग्राहकों को दर में कटौती का लाभ देने का निर्णय लिया है। बैंक ने रेपो से संबद्ध कर्ज पर ब्याज दर (आरइपी) को 0.25 प्रतिशत की कटौती के साथ 9.10 प्रतिशत से घटाकर 8.85 प्रतिशत कर दिया है। यह कटौती 12 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी।

सरकारी खरीद सुस्त: मंडियों में सरसों चना के भाव एमएसपी के आसपास

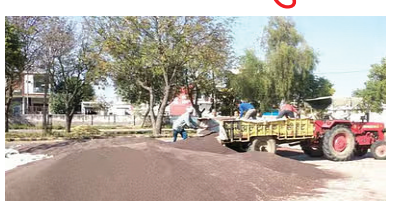

नई दिल्ली। मंडियों में रबी फसलों (Rabi Crops) की उच्च स्तर की आवक बनी हुई है, जिससे सरसों (Mustard) और चना (Chickpea) फसल की कीमत एमएसपी (MSP) के आसपास चल रही हैं। यही कारण है कि एमएसपी पर इन फसलों की खरीद में सुस्ती आ रही है। एफई की रिपोर्ट में व्यापार से जुड़े सूत्रों का हवाला देते हुए बताया गया कि तिलहन फसलों के थोक व्यापार का केंद्र यानी राजस्थान के भरतपुर में सरसों की मंडी कीमतें 5974 रुपये प्रति क्विंटल चल रही हैं। वहीं, सरसों की एमएसपी इस बार 5950 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है। तिलहन फसलों के प्रमुख उत्पादक राज्यों में सरसों की औसत मंडी कीमतें वर्तमान में 5828 रुपये प्रति क्विंटल चल रही हैं। वहीं, बीते साल कीमतें 5188 रुपये प्रति क्विंटल पर थी। राजस्थान के भरतपुर में स्थित उत्तान मस्टर्ड प्रोड्यूसर्स कंपनी (एफपीओ) के सीईओ रूप सिंह के अनुसार, इस सीजन में सरसों की कीमतें 6000 रुपये प्रति क्विंटल के आसपास रह सकती हैं। उन्होंने इसके पीछे तर्क दिया कि सरसों की मांग में तेजी के कारण किसान एमएसपी पर अपनी उपज सरकारी एजेंसियों को बेचने से हतोत्साहित होंगे। सिंह ने कहा कि किसान बेहतर कीमत प्राप्ति के लिए अगले कुछ महीनों तक अपनी उपज भंडारण करेंगे, क्योंकि पिछले दो सालों में सस्ते आयात के कारण सरसों की बाजार कीमतें एमएसपी से 10 फीसदी से 15 फीसदी कम चल रही थीं। देश के कुल दलहन उत्पादन में चना का हिस्सा 50 फीसदी है। चना की उत्पादन होने की संभावनाओं के बीच इसकी औसत बाजार कीमतें 5650 रुपये प्रति क्विंटल चल रही हैं। वहीं, चना की एमएसपी 5705 रुपये प्रति क्विंटल है।

कृषि मंत्रालय की मूल्य समर्थन योजना के तहत खरीद एजेंसियों ने हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, गुजरात और असम जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों से 2.82 मिलियन टन सरसों और 2.79 मिलियन टन चना की खरीद को मंजूरी दी है। वहीं, दूसरी ओर अब तक केवल 0.31 मिलियन टन सरसों और 16,670 टन चना की खरीद हुई है।

कितना होगा सरसों उत्पादन

व्यापार ने इस बार सरसों उत्पादन 11.52 मिलियन टन रहने का अनुमान लगाया है। वहीं, कृषि मंत्रालय की तरफ से उत्पादन का अनुमान 12.87 मिलियन टन है। बीते 2023-24 खरीद सीजन में खरीद एजेंसियों ने हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के किसानों से 1.2 मिलियन टन सरसों की खरीद की थी।

ऐसे में किसान एमएसपी पर नहीं बेचेंगे फसल

एक अधिकारी का कहना है कि चना की कीमतें एमएसपी से ऊपर चल रही हैं। वहीं, सरसों की कीमतों एमएसपी से करीब है। इसी कारण चालू सीजन में खरीद कम रही है। उन्होंने कहा कि अगर इन फसलों की कीमतें एमएसपी से 300 रुपये प्रति क्विंटल या उससे कम गिरती हैं, तो किसान सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीद के लिए अपनी उपज नहीं लाना चाहेंगे।

आरएंडडी मानकीकरण के लिए परामर्श कंपनी को अभी तक नहीं चुना गया:HAL

बेंगलुरु। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने शनिवार को स्पष्ट किया कि उसने अपनी अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) प्रक्रियाओं के मानकीकरण के लिए किसी परामर्श कंपनी को अंतिम रूप नहीं दिया है। यह स्पष्टीकरण कुछ सोशल मीडिया पोस्ट के जवाब में आया है जिसमें दावा किया गया था कि उसने इस कार्य के लिए प्राइसवाटरहाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) का चयन किया है। एचएएल ने बयान में कहा, "सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर कुछ पोस्ट में गलत दावा किया गया है कि एचएएल ने अपनी अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के मानकीकरण के लिए परामर्श कंपनी पीडब्ल्यूसी का चयन अंतिम रूप से कर लिया है।" कंपनी ने कहा, "एचएएल यह बताना चाहती है कि उसके अनुसंधान एवं विकास प्रक्रियाओं के मानकीकरण के लिए अभी तक कोई फर्म तय नहीं की गई है।" एचएएल के अनुसार, उसने वैश्विक अंतरिक्ष और रक्षा कंपनियों के मुकाबले अपने अनुसंधान एवं विकास ढांचे का मानकीकरण अध्ययन करने के लिए एक परामर्श फर्म को नियुक्त करने की प्रक्रिया शुरू की है।

यूपीआई को 15 दिनों में तीसरी बार व्यवधान का सामना करना पड़ा, लेनदेन प्रभावित

नई दिल्ली। देश भर के यूपीआई उपयोगकर्ताओं को शनिवार को लेनदेन विफलताओं का सामना करना पड़ा। तकनीकी खराबी के कारण भुगतान प्रणाली यूपीआई के बंद होने के कारण ऐसा हुआ। यह एक पखवाड़े से भी कम समय में तीसरी बार है, जब यूपीआई के तहत लेनदेन प्रभावित हुआ और सेवाओं में व्यवधान का सामना करना पड़ा। हाल के दिनों में, 26 मार्च और दो अप्रैल को यूपीआई व्यवधान की सूचना मिली थी। व्यवधान की निगरानी करने वाले मंच 'डाउनडिटेक्टर' के अनुसार यूपीआई विफलताओं के बारे में शिकायतें सुबह 11:30 बजे के बाद शुरू हुईं। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) एक त्वरित भुगतान प्रणाली है, जिसे आरबीआई द्वारा विनियमित इकाई एनपीसीआई ने विकसित किया है। एनपीसीआई ने एक्स पर पोस्ट किया, "बीच-बीच में तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण आंशिक रूप से यूपीआई लेनदेन में कमी आ रही है। हम इस समस्या को हल करने के लिए काम कर रहे हैं और आपको सूचना देते रहेंगे। आपको हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।

सनी देओल की 'जाट' की रफ्तार पड़ी धीमी, दूसरे दिन आई गिरावट

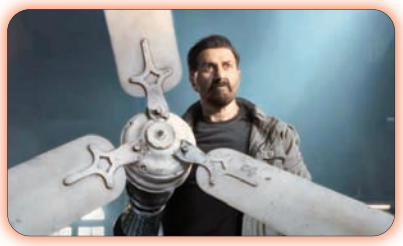

सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जाट' लंबे समय से चर्चा में बनी हुई थी। फैंस इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित थे। जब यह 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई, तो थिएटरों के बाहर जश्न का माहौल बन गया। कहीं ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर लोग फिल्म देखने पहुंचे, तो कहीं ढोल-नगाड़ों की धुन पर दर्शक झूमते नजर आए। सनी देओल के फैंस ने फिल्म की ओपनिंग को किसी त्योहार की तरह सेलिब्रेट किया। हालांकि फिल्म की पहले दिन की कमाई उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और बॉक्स ऑफिस पर थोड़ी निराशा देखने को मिली। अब दूसरे दिन की कमाई के आंकड़े भी सामने आ गए हैं, जिनसे यह साफ हो रहा है कि फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। आने वाले वीकेंड पर फिल्म की कमाई में उछाल देखने की उम्मीद की जा रही है, खासकर नॉर्थ बेल्ट में जहां सनी देओल की पकड़ बेहद मजबूत मानी जाती है। सैकनिल्क के रिपोर्ट के मुताबिक, सनी देओल की फिल्म 'जाट' ने दूसरे दिन महज 7 करोड़ रुपये की कमाई की।

बॉलीवुड डेब्यू करेंगी रिद्धिमा कपूर

कपूर खानदान की चमक-दमक और बॉलीवुड की गलियों से हमेशा थोड़ी दूर रहने वाली रिद्धिमा कपूर अब लाइमलाइट की ओर कदम बढ़ाती नजर आ रही हैं। सितारों से भरे इस प्रतिष्ठित परिवार में जन्मी रिद्धिमा का मिजाज भले ही थोड़ा अलग रहा हो, लेकिन अब खबरें हैं कि वो भी बॉलीवुड में अपनी पारी की शुरुआत करने जा रही हैं। लेकिन अब ऐसा लगता है कि एक्टिंग का जुनून धीरे-धीरे उनके भीतर भी जाग चुका है। सूत्रों के अनुसार, रिद्धिमा जल्द ही किसी प्रोजेक्ट के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू कर सकती हैं। हालाँकि अभी इस बारे में आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन उनके फैंस के बीच इस खबर ने उत्सुकता जरूर बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक करिश्मा और करीना कपूर के बाद अब रिद्धिमा भी फिल्मी दुनिया में अपना कदम रखने को तैयार हैं। खास बात ये है कि रिद्धिमा का बॉलीवुड डेब्यू बेहद दिलचस्प होने वाला है, क्योंकि उनकी पहली फिल्म में वो कॉमेडी किंग कपिल शर्मा के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। बात यहीं खत्म नहीं होती, इस फिल्म में रिद्धिमा की मां और मशहूर अभिनेत्री नीतू कपूर भी एक अहम भूमिका में दिखाई देंगी। ऐसे में मां-बेटी की जोड़ी और साथ ही कपिल शर्मा का तड़का, ये तिकड़ी पर्दे पर एक नया अनुभव लेकर आने वाली है। फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इतना तो तय है कि कपूर परिवार का यह नया अध्याय बॉलीवुड के दर्शकों के लिए बेहद खास होने वाला है। कपिल शर्मा अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं, जिसकी कमान निर्देशक आशीष आर मोहन ने संभाली है। ये फिल्म एक फुल-ऑन कॉमिक एंटरटेनर होगी, और इसकी शूटिंग अप्रैल से चंडीगढ़ में शुरू होने जा रही है। इस खास प्रोजेक्ट से रिद्धिमा कपूर साहनी भी अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने जा रही हैं और इस डेब्यू को लेकर वो बेहद उत्साहित हैं। रिद्धिमा को दर्शकों ने पहले भी स्क्रीन पर देखा है। वो पिछले साल नेटफ्लिक्स के पॉपुलर शो 'फैबुलस लाइफ वर्सेस बॉलीवुड वाइव्स' के तीसरे सीजन में नजर आई थीं, जहां उनका स्टाइलिश और कॉन्फिडेंट अंदाज खासा पसंद किया गया था।

कपिल शर्मा और नीतू कपूर संग आएंगी नजर

बॉलीवुड में डेब्यू नहीं करेगी नीसा देवगन

मुंबई। बालीवुड अभिनेता अजय देवगन की बेटी 21 साल की नीसा की गिनती बी-टाउन की चर्चित स्टारकिड्स में होती है और सोशल मीडिया पर उनके स्टाइल और ग्लैमर की काफी चर्चा रहती है। सुहाना खान और खुशी कपूर जैसी स्टार किड्स के डेब्यू के बाद फैंस लगातार यह सवाल कर रहे हैं कि नीसा कब फिल्मी दुनिया में कदम रखेंगी। इन तमाम अटकलों के बीच अब काजोल ने इस पर खुलकर बात की है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान काजोल से जब नीसा के करियर को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि नीसा बॉलीवुड में डेब्यू नहीं करने वाली हैं। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, "बिलकुल नहीं। मुझे नहीं लगता कि वो बॉलीवुड डेब्यू करेगी। वह 22 साल की होने वाली है और उसने मन बना लिया है कि वह अभी एक्टिंग की दुनिया में कदम नहीं रखेगी।" काजोल के इस बयान ने उन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है, जिनमें नीसा के एक्टिंग डेब्यू की बात कही जा रही थी। नई पीढ़ी और युवा टैलेंट को सलाह देते हुए काजोल ने यह भी कहा कि हर किसी से करियर की सलाह लेना जरूरी नहीं होता। उन्होंने कहा, "जब आप लोगों से पूछेंगे कि क्या करना चाहिए, तो सौ लोग तैयार हो जाएंगे आपको बताने के लिए। कोई कहेगा नाक बदल लो, कोई कहेगा बालों का रंग बदलो, लेकिन किसी की भी सफलता का असली राज है खुद के लिए एक अलग जगह बनाने की काबिलियत। चाहे आप अभिनय में हों या सोशल मीडिया पर, आपको खुद की पहचान बनानी होती है।" काजोल के इस बयान से साफ है कि वे नीसा को अपने फैसलों के लिए पूरी आजादी देती हैं और फिलहाल नीसा का झुकाव फिल्मों की ओर नहीं है। बता दें कि नीसा देवगन अक्सर बॉलीवुड के स्टार किड्स के साथ स्पॉट की जाती हैं, जिससे यह चर्चा तेज हो जाती है कि आखिर वह फिल्मों में कब नजर आएंगी।

अभिभावकों की सजगता ही सुरक्षा चक्र

पेरेंट्स का परवरिश के कई मोर्चों पर सजग रहना जरूरी है। खासकर बच्चों के शारीरिक शोषण के मामले में सतर्कता आवश्यक है। यूं तो हर अभिभावक बच्चों को लेकर हर किसी पर भरोसा नहीं ही करता पर क़रीबी अपनों और परिचितों पर विश्वास करना भी कई बार कटु अनुभव साबित होता है। 2012 से 2021 तक हुई बालमन का दंश बनने वाली घटनाओं के आंकड़े इसी रीत भरोसे की बानगी हैं। करीब एक दशक में सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, बच्चों के कामुक शोषण के मामलों में 94 फीसदी आरोपी पीड़ित के परिवार के परिचित, परिजन या परिवार का ही कोई सदस्य होता है। बच्चियों के यौन शोषण की घटनाओं ने 48.66 प्रतिशत आरोपी परिचित ही निकले हैं ।

बच्चों की बात मन से सुनें

बहुत छोटे बच्चे कई बार अपने साथ हो रही ज्यादती के बारे में समझ ही नहीं पाते तो कई बार पेरेंट्स को बताने में ही हिचकते हैं। खासकर तब जब कोई परिचित यह पीड़ादायी बर्ताव कर रहा है। कभी बच्चे अपनी बात कहते भी हैं तो अभिभावक सुने बिना ही टाल देते हैं। यह कैसी बात है? कहां से सीखा यह सब? फालतू बात मत करो। ऐसी बातें कहकर बच्चों का मनोबल तोड़ देते हैं। इन घटनाओं का दुखद पक्ष है कि मासूम को अभिभावक भी नहीं समझ पाते। बहुत से बच्चे मां-पापा से मिले इस निराशाजनक बर्ताव के हालातों में अतिवादी निर्णय ले लेते हैं। इसीलिए बच्चे जो कहना चाहते हैं उसे सुनें। कितना भी भरोसेमंद इंसान हो उसे परखें जरूर। यह भी सोचें कि दुनिया की ऊंच-नीच तक न जानने-समझने वाला मासूम बेवजह ऐसी बात क्यों कहेगा? याद रखिए कि असहज हालातों में ही बच्चे ऐसी शिकायतें आप तक लाएंगे। इतना ही नहीं ऐसे लोग खुद भी बच्चों से यही कहते हैं कि उनकी शिकायत पर कोई भरोसा नहीं करेगा। ऐसे में अभिभावकों को चाहिए कि सहज-सुरक्षित परिस्थितियों में भी बच्चों को यह भरोसा दिलाते रहें कि उनकी हर बात सुनी और समझी जाएगी। ताकि ऐसे दुर्व्यवहार को लेकर वे आप से बिना हिचक अपनी बात बता सकें, शिकायत कर सकें, उलझन से निकल सकें।

विश्वास हो अंधा विश्वास नहीं

आज के असुरक्षित परिवेश में जरूरी है कि बच्चों के मामले में हर किसी पर आंख मूंद कर विश्वास नहीं किया जाना चाहिए। आए दिन हो रही घटनाएं बताती हैं कि मासूमों के साथ दुर्व्यवहार करने वाला घरेलू सहायक, ट्यूशन टीचर, करीबी रिश्तेदार या पड़ोसी, परिचित-अपरिचित कोई भी हो सकता है। अवसर पाकर बच्चों के साथ दरिंदगी करने वाले कुत्सित मानसिकता के लोग अपना-पराया नहीं देखते। दुखद, पर सच है कि इस मामले में अब हर कोई संदेह के घेरे में है। जहां स्कूल परिसर से लेकर घर के आंगन तक बच्चों को शोषण का दंश मिल रहा है, वहां यह शंका लाजिमी भी है। कई बार तो शोषण करने वाले लोग बच्चों को डराते भी हैं। ऐसे लोगों के गलत इरादे समय रहते पहचानिए। किसी और पर आंख मूंद कर किया भरोसा अपने ही बच्चे के मन को अविश्वास का घाव न दे जाए।

व्यवहार पर करें गौर

बच्चे का बदलता व्यवहार उसके साथ हो रहे दुर्व्यवहार को बिन कहे बताने को काफी होता है। बाल यौन शोषण से जुड़ी अधिकतर घटनाओं में पेरेंट्स आगे चलकर महसूस करते हैं कि कैसे उनका बच्चा चुप रहने लगा था। अपनों-परायों से कटकर आत्मकेंद्रित हो गया था। फ्रेंड्स से दूरी बना ली थी। बच्चा किसी विशेष व्यक्ति को अचानक नापसंद करने लगा था। उसका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा था। खान-पान में अरुचि हो गई थी या फिर पढ़ाई में पिछड़ने लगा था। एक सजग अभिभावक बन मासूम मन की पीड़ा का संकेत कहे जा सकने वाले व्यवहार के इन बदलावों पर समय रहते गौर कीजिए। बालमन की अनकही भावनात्मक टूटन को समझने के लिए उनके साथ वक्त बिताएं। बातों-बातों में गुड टच बैड टच के बारे में समझाएं। कई बार बच्चे ऐसी समझाइश के समय अपना मन खोलते हैं।

सहज और सरल हों बंधन

आजकल अधिकांश अभिभावक यह कहते नज़र आते हैं कि वे तो बच्चों को कुछ नहीं कहते, 'वी आर लाइक फ्रेंड्स'। कुछ हद तक यह बर्ताव सही भी है। अभिभावकों का अपने बच्चे का दोस्त होना सबसे ज्यादा ज़रूरी है, पर माता-पिता होने के नाते उसे समयानुसार कुछ सधी बातें कहना और समझाना भी उनकी ही जिम्मेदारी है। बच्चों की सही परवरिश के लिए उनका दोस्त बनने के साथ ही जीवन के भले-बुरे रंगों से खुलकर परिचित करवाना भी आवश्यक है। नई पीढ़ी के लिए खुलापन ही नहीं, सहज-सरल बंधन और नियम भी जरूरी हैं, क्योंकि बंधन जीवन को बांधते ही नहीं, साधते भी हैं। यों भी आज के बचपन से अनगिनत जोखिम भरी बातें जुड़ गई हैं। जिनसे उपजते भटकाव के परिवेश में बच्चों को कुछ कहने और न कहने के बीच एक संतुलन ज़रूरी है।

स्नेह और सीख संग हो परवरिश

मौजूदा दौर में स्मार्ट गैजेट्स और सहूलियतों के बीच पलते बच्चों की संभाल-देखभाल कई मोर्चों पर विचारणीय हो चली है। आज के बच्चे कम उम्र में ही समझने लगे हैं कि कोई विचार या व्यवहार उनके साथ जोड़ा जा रहा है या उनपर थोपा जा रहा है। वहीं इस खुले और बदलते परिवेश में बच्चों को बिना किसी नियंत्रण और समझाइश के भी नहीं रखा जा सकता और बालमन को बांधना भी संभव नहीं। एक संतुलन बनाना आज की परवरिश की अहम दरकार है। हद से ज्यादा खुलापन और जरूरत से ज्यादा बंधन दोनों ही बालमन को दिशाहीन करते हैं। बच्चों के व्यक्तित्व विकास की सहज प्रक्रिया में बाधा बनते हैं। ऐसे में यह रिश्ता मनोबल और मार्गदर्शन के भाव-चाव को लिये हो तो हर दौर में बच्चों को थामा जा सकता है।

जिंदगी का सबक

इसमें कोई बुराई नहीं कि बच्चों को जीवन के हर पहलू का परिचय घर से मिले। आजकल अधिकतर माता-पिता बच्चों के लिए सुख-सुविधाएं जुटाने की भागमभाग में गुम हैं। बच्चों के जीवन में भी जरूरतों की जगह इच्छाओं ने ली है। कई मायनों में बच्चों का व्यवहार भी बदल गया है। कभी बात-बात पर गुस्सा हो जाते हैं। ऐसे में उनके भावी व्यक्तित्व को सही दिशा देने के लिए जरूरी है कि बड़े अपनी उम्मीदों को उनपर न थोपें। वहीं हर बच्चे में अलग गुण होते हैं। एक की तुलना दूसरे से नहीं की जा सकती। इसीलिए समय निकालकर उनसे बतियाएं भी। लेकिन हमारे परिवारों में बच्चों से बातें अधिकतर उनकी पढ़ाई या उनको दी जाने वाली समझाइश से ही जुड़ी होती हैं। उनके मन-मस्तिष्क की उलझनें नहीं सुनी जातीं। ऐसे में समझना होगा कि अपने मन की बात साझा करने का मौका नई पीढ़ी को शुरुआती पड़ाव पर ही न मिले तो उनके विचारों को विस्तार कहां से मिलेगा? उनसे पढ़ाई से इतर विषयों पर भी बातचीत की जाये। यही वजह है कि दोस्त बनकर जितना खुलापन दिया जाना आवश्यक है, मार्गदर्शक बनकर उनकी सोच की अगुआई करना भी उतना ही जरूरी है। स्नेह के साथ-साथ बच्चों को जिंदगी के सार्थक सबक दिए जाने भी आवश्यक हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि :-धन प्राप्ति के नए मार्ग खुलेंगे। मेहनत करने वालों को सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृषभ राशि :-कारोबार अच्छा रहेगा। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार अधिक रहने से थकान हो सकती है।

मिथुन राशि :- ऑफिस के कार्यों में प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क राशि :-उच्च अधिकारियों से बात करते समय संयम में रहें। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

सिंह राशि :-परिजनों-मित्रों के साथ किसी यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कन्या राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ और नौकरी में तरक्की मिलने के योग रहेंगे।

तुला राशि :- परिवार वालों के साथ समय बिता सकेंगे। बच्चों के करियर के लिए परिवार में बुजुर्गों से परामर्श लेंगे।

वृश्चिक राशि :-धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। किसी बड़े समारोह में जाने का मौका मिलेगा।

धनु राशि :-आज का दिन सामान्य रहेगा। संभलकर अपनी बात अपने जीवनसाथी के सामने रखें।

मकर राशि :-कार्य विस्तार के लिए नई योजना शुरू कर सकते हैं। सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

कुम्भ राशि :- दिया धन वापस मिल सकता है। रिश्तेदारों की वजह से कुछ तनाव पैदा हो सकता है।

मीन राशि :-क्रोध पर काबू रखें। अस्थिर स्वभाव के चलते अपने प्रिय के साथ आपके मतभेद हो सकते हैं।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

राजस्थान और आरसीबी के मैच में सॉल्ट-कोहली के सामने होगी आर्चर की मुश्किल चुनौती

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीमें रविवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में जीत की राह पर लौटने के इरादे से मैदान पर उतरेंगी तो सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट और विराट कोहली के सामने तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कड़ी चुनौती पेश करेंगे। इन दोनों टीमें को पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था। आरसीबी को दिल्ली कैपिटल्स के हाथों छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जबकि राजस्थान को गुजरात टाइटन्स के हाथों 58 रन से करारी हार मिली। आरसीबी पांच मैचों में तीन जीत के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है जबकि राजस्थान इतने ही मैचों में दो जीत के साथ सातवें पायदान पर है। आईपीएल के इस सत्र के शुरुआती मैच में इस लीग में सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले गेंदबाज बने आर्चर ने लय में वापसी कर ली है। उनकी तेज रफ्तार गेंदें पिछले दो मैचों से कहर बरपा रहीं हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने 25 रन देकर तीन विकेट लिए, जिसमें शानदार लय में चल रहे कप्तान श्रेयस अय्यर को 148.6 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार वाली गेंद पर बोल्ड करना शामिल है। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 152.3 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंद डाली थी जबकि 147.7 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार वाली इनस्विंगर पर गुजरात के कप्तान शुभमन गिल को चकमा देकर पवेलियन भेजने में सफल रहे थे। आर्चर के सामने रविवार को कोहली (186 रन) और इंग्लैंड टीम के साथी खिलाड़ी सॉल्ट (143) की आक्रामक जोड़ी को रोकने की चुनौती होगी। यह जोड़ी कुछ ही ओवरों में मैच को प्रतिद्वंद्वी टीम की पकड़ से दूर करने की क्षमता रखती है। आर्चर के अलावा राजस्थान के लिए गेंदबाजी में सिर्फ संदीप शर्मा ही प्रभावित कर सके हैं। आरसीबी के बल्लेबाज टीम की इस खामी का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। ऐसे में टीम को श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और महीश तीक्षणा की स्पिन जोड़ी से बीच के ओवरों में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। कोहली ने अब तक दो अर्धशतक लगाये है लेकिन सॉल्ट के पास बेहद आक्रामक रवैये के साथ बल्लेबाजी करने की क्षमता है। देवदत्त पडिक्कल भी बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होंगे तो वही कप्तान रजत पाटीदार अपनी शानदार लय को जारी रखना चाहेंगे। टिम डेविड और लियाम लिविंगस्टोन के पास किसी भी गेंदबाजी के खिलाफ तेजी से रन बनाने की क्षमता टीम की बल्लेबाजी को काफी मजबूत बनाती है। अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में लगी इस टीम के पास जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज है लेकिन स्पिन गेंदबाजों को थोड़ा और निरंतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। राजस्थान रॉयल्स की टीम को इस मैच में अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ 159 रन पर आउट हो गयी थी। उनके पास शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, रियान पराग, यशस्वी जायसवाल और नितीश राणा के साथ आक्रामक बल्लेबाजी करने की क्षमता है। इसके साथ ही निचले क्रम में ध्रुव जुरेल और शिमरोन हेटमायर की विस्फोटक जोड़ी मौजूद है।

टीम इस प्रकार हैं:

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: रजत पाटीदार (कप्तान), फिल साल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल, सुयश शर्मा, रसिख डार सलाम, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, अभिनंदन सिंह, रोमारियो शेफर्ड, लुंगी एनगिडी, नुवान तुषारा, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा।

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभम दुबे, नितीश राणा, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरोन हेटमायर, जोफ्रा आर्चर, महीश तीक्षाना, तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, फजल हक फारूकी, कुणाल सिंह राठौड़, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय, क्वेन मफाका, वानिंदु हसरंगा, युद्धवीर सिंह चरक, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी।

मैच दोपहर 03:30 बजे से शुरू होगा।

पूरन और मारक्रम के अर्धशतक

लखनऊ सुपर जायंट्स छह विकेट से जीता

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स ने निकोलस पूरन की सात छक्के और एक चौके जड़ित 61 रन की पारी और एडेन मारक्रम (58 रन) के अर्धशतक से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ तीन गेंद रहते छह विकेट से जीत दर्ज की। यह लखनऊ की टीम की लगातार तीसरी जीत है जिसने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण करते करते हुए गेंदबाजों की बदौलत गुजरात जायंट्स को तेज शुरूआत के बावजूद छह विकेट पर 180 रन पर रोक दिया जिसके लिए कप्तान शुभमन गिल (60 रन) और साई सुदर्शन (56 रन) ने अर्धशतक जड़े।

लखनऊ सुपर जायंट्स पूरन (34 गेंद, एक चौका, सात छक्के) और मारक्रम (31 गेंद, नौ चौके, एक छक्का) की पारी से लक्ष्य के करीब पहुंची। उसने 19.3 ओवर में चार विकेट पर 186 रन बनाकर जीत दर्ज की। गुजरात टाइटन्स को इस तरह चार जीत के बाद हार का मुंह देखना पड़ा। पंत (21 रन) और मारक्रम ने मिलकर पावरप्ले में 61 रन जोड़कर सधी शुरूआत की। पर अगले ही ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा (26 रन देकर दो विकेट) पर चौका जड़ने के बाद गेंद को ऑफ साइड पर ऊंचा उठा बैठे और वाशिंगटर सुंदर को कैच थमाकर आउट हुए। अब पूरन क्रीज पर उतरे, उन्होंने सहज होते ही आक्रामक बल्लेबाजी करना शुरू किया जिसकी शुरूआत उन्होंने आठवें ओवर में राशिद खान (35 रन देकर एक विकेट) की गेंद को छक्के के लिए पहुंचाकर की। एक गेंद बाद उन्हें जीवनदान मिला और उन्होने मौके का पूरा फायदा उठाकर अगले ओवर में सुंदर पर एक चौका और एक छक्का जड़ा। 10वें ओवर में साई किशोर की गेंदों को पूरन ने धुन डाला जिसमें तीन छक्के जड़े थे। इसी ओवर में 24 रन बने जिसमें मारक्रम ने अपना अर्धशतक पूरा किया। पर मारक्रम भी कृष्णा का दूसरा शिकार बने। लेकिन पूरन का गेंदबाजों को धुनना जारी रहा, उन्होंने 13वें ओवर में मोहम्मद सिराज की पहली गेंद पर डीप मिडविकेट पर गगनदायी छक्का जड़ा जिससे वह 'ओरेंज कैप' की दौड़ में साई सुदर्शन से ऊपर चले गए। फिर इसी ओवर की चौथी गेंद को चौके के लिए पहुंचाकर 23 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह छह पारियों में उनका चौथा अर्धशतक रहा। फिर आयुष बडोनी (नाबाद 28 रन) ने अंतिम ओवर में चौका और छक्का जड़कर टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले कप्तान शुभमन गिल (60 रन, छह चौके, एक छक्का) और साई सुदर्शन (56 रन, सात चौके, एक छक्का) के अर्धशतकों तथा दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी के बावजूद गुजरात टाइटन्स की टीम छह विकेट पर 180 रन ही बना सकी। सुदर्शन (37 गेंद में 56 रन) ने सत्र का अपना चौथा अर्धशतक लगाया और गिल (38 गेंद में 60 रन) के साथ मिलकर बड़े स्कोर के लिए मंच तैयार किया। लेकिन घरेलू टीम के गेंदबाजों ने जोरदार वापसी की और तीन विकेट चटकाकर स्कोरिंग गति पर ब्रेक लगा दिया। पहले विकेट के लिए सत्र की सर्वश्रेष्ठ साझेदारी के बाद मेहमान टीम आखिरी आठ ओवरों में सिर्फ 60 रन ही बना सकी।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सुदर्शन ने शानदार शुरुआत की। उन्होंने शार्दुल ठाकुर (34 रन देकर दो विकेट) की शॉर्ट गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट पर चौका लगाकर पारी की शुरुआत की। सुदर्शन और गिल दोनों ने लगभग हर ओवर में बाउंड्री जमाई और घरेलू गेंदबाजों को परेशान किया। गुजरात की टीम ने छठे ओवर में अपना अर्धशतक पूरा किया जब सुदर्शन ने आवेश खान (32 रन देकर एक विकेट) की गेंद को बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर चौके के लिए पहुंचाया। मेहमान टीम ने पावरप्ले में 64 रन बनाए। गिल ने जहां आक्रामक होकर बल्लेबाजी की, वहीं सुदर्शन ने संयमित होकर दूसरे छोर पर उनका साथ निभाया।

गिल ने अपना पहला छक्का एडेन मारक्रम की गेंद पर सीधे लांग ऑन पर जमाया। कप्तान ने नौवें ओवर में दिग्वेश राठी (30 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर एक रन लेकर 31 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। गुजरात टाइटन्स ने 10 ओवर तक बिना किसी नुकसान के 103 रन बना लिए थे। हालांकि 11वें ओवर में दिग्वेश की गेंद पर सुदर्शन को अब्दुल समद ने जीवनदान दिया। फिर सुदर्शन ने जल्द ही फाइन लेग बाउंड्री पर स्वीप करके अपना अर्धशतक पूरा किया। दोनों बल्लेबाजों ने मैदान के हर हिस्से में बाउंड्री की बरसात कर दी और लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाजों की रणनीति काम नहीं कर रही थी। मेजबान टीम को आखिरकार 13वें ओवर की पहली गेंद पर सफलता मिली जब आवेश (32 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर गिल लांग ऑन बाउंड्री के करीब मारक्रम को कैच दे बैठे। फिर रणनीतिक टाइमआउट के तुरंत बाद सुदर्शन के रूप में गुजरात को एक और झटका लगा।

ब्रेक बाद बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने बिश्नोई (36 रन देकर दो विकेट) की गेंद को एक्स्ट्रा कवर के ऊपर से उठा दिया लेकिन निकोलस पूरन ने शानदार कैच लपक लिया। बिश्नोई ने इसी ओवर में वाशिंगटन सुंदर को भी अपना शिकार बनाया। जोस बटलर (16 रन) बड़ी पारी नहीं खेल पाए और दिग्वेश राठी का शिकार बन गए। शार्दुल ठाकुर अंतिम ओवर में हैट्रिक बनाने की कोशिश में थे लेकिन इससे चूक गए।

मुंबई और दिल्ली के मैच में रोहित शर्मा और राहुल पर होगी निगाह

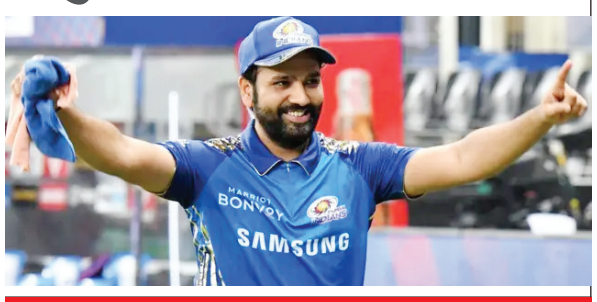

नई दिल्ली। खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित शर्मा रविवार को यहां मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के बीच होने वाले मैच में स्पिनरों की कड़ी चुनौती से पार पाकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खुद को प्रासंगिक बनाए रखने का प्रयास करेंगे। रोहित जहां रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं वहीं मुंबई की टीम को तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी जो दिल्ली के कुशल बल्लेबाज के एल राहुल के सामने कड़ी चुनौती पेश कर सकते हैं। दिल्ली की टीम ने टूर्नामेंट के पहले चरण में शानदार प्रदर्शन किया है और इसलिए वह इस मैच में जीत के दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। दिल्ली की टीम की निगाह लगातार पांचवीं जीत हासिल करने पर होगी जबकि हार्दिक पंड्या के नेतृत्व वाली मुंबई की टीम छह मैच में पांचवीं हार से बचने की कोशिश करेगी। आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में एक हार से लय गड़बड़ा सकती है और मुंबई इंडियंस तो पिछले साल से चले आ रहे खराब प्रदर्शन में सुधार नहीं कर पाई है। पिछले साल उसकी टीम अंतिम स्थान पर रही थी। मुंबई के लिए रोहित की फॉर्म चिंता का विषय है जो अभी तक चार मैच में केवल 38 रन बना पाए हैं। दिल्ली के खिलाफ उन्हें अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे मंझे हुए स्पिनरों के अलावा अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाले विपराज निगम से कड़ी चुनौती मिलना सुनिश्चित है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कुलदीप को अभी तक टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ स्पिनर करार दिया है। कुलदीप ने अभी तक सभी मैच में चार ओवर का अपना कोटा पूरा किया है तथा उन्होंने छह रन प्रति ओवर से भी कम के इकोनॉमी रेट से आठ विकेट लिए हैं। निगम एक ऑलराउंडर हैं और उन्होंने अभी तक पांच विकेट लिए हैं। कप्तान अक्षर पटेल को अभी तक कोई विकेट नहीं मिला है। मुंबई के खिलाफ वह गेंदबाजी का आगाज कर सकते हैं क्योंकि रोहित को बाएं हाथ के स्पिनरों को खेलने में मजा नहीं आता है।

टीम इस प्रकार हैं:

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), जसप्रित बुमरा, सूर्यकुमार यादव, रोहित शर्मा, तिलक वर्मा, ट्रेंट बोल्ट, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, रयान रिकेलटन, दीपक चाहर, अल्लाह गजनफर, विल जैक, अश्विनी कुमार, मिशेल सेंटनर, रीस टॉपले, कृष्णन श्रीजीत, राज अंगद बावा, सत्यनारायण राजू, बेवोन जैकब्स, अर्जुन तेंदुलकर, लिजाद विलियम्स, विग्नेश पुथुर।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), फाफ डु प्लेसी, करुण नायर, समीर रिजवी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आशुतोष शर्मा, केएल राहुल, अभिषेक पोरेल, डोनोवन फरेरा, ट्रिस्टन स्टब्स, माधव तिवारी, त्रिपुराना विजय, मनवंत कुमार, विप्रज निगम, अजय मंडल, दर्शन नालकंडे, मुकेश कुमार, मोहित शर्मा, टी नटराजन, मिशेल स्टार्क, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव।

मैच शाम 7:30 पर शुरू होगा।

संक्षिप्त खबरें

गुजरात टाइटंस के ग्लेन फिलिप्स चोट के कारण आईपीएल से बाहर

अहमदाबाद। गुजरात टाइटंस के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ग्रोइन की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शेष मैचों से बाहर हो गए हैं। फ्रेंचाइजी ने शनिवार को यह घोषणा की। गुजरात टाइटंस ने यहां जारी बयान में कहा, '' फिलिप्स सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह अप्रैल को खेले गए मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोटिल हो गए थे।'' न्यूजीलैंड का यह ऑलराउंडर स्वदेश लौट गया है। वह आईपीएल के वर्तमान सत्र में गुजरात टाइटंस के किसी भी मैच में अंतिम एकादश में शामिल नहीं थे। सनराइजर्स के खिलाफ मैच में वह स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक रूप में फील्डिंग कर रहे थे। फिलिप्स गुजरात टाइटंस के स्वदेश लौटने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा निजी कारणों से टीम छोड़कर स्वदेश लौट गये थे।

फीफा प्रमुख इन्फेंटिनो ने फुटबॉल के विकास में अधिक टूर्नामेंटों के प्रभाव की प्रशंसा की

कुआलालंपुर। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने शनिवार को एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) कांग्रेस को दिए एक वीडियो संदेश में दुनिया भर में फुटबॉल के विकास में विस्तारित टूर्नामेंटों के प्रभाव की प्रशंसा की। इन्फेंटिनो इस वर्ष के क्लब विश्व कप के मेजबान अमेरिका से मलेशिया के कुआलालंपुर में एकत्रित एएफसी के 46 सदस्य संघों को संबोधित किया। इस क्लब विश्व कप का आयोजन जून और जुलाई में होगा जिसमें 32 टीमें भाग लेंगी। फीफा प्रमुख ने कहा, '' अलग-अलग महाद्वीपों की टीमों के खिलाफ खेलने का मौका ज्यादा नहीं मिलता है। हम लंबे समय से इस तरह का बदलाव करना चाहते थे।'' क्लब विश्व कप में एशिया प्रतिनिधित्व चार टीम करेंगी। इसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की अल-ऐन, सऊदी अरब की अल-हिलाल, दक्षिण कोरिया की उल्सान एचडी और जापान की उरावा रेड्स शामिल है। इन्फेंटिनो ने कहा, '' 1930 के बाद से अब तक हुए सभी फीफा विश्व कप में जितने देश खिलाड़ी शामिल हुए हैं, उससे कहीं ज्यादा खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पंकज आडवाणी ने डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता

नई दिल्ली। भारत के सबसे दिग्गज क्यू (बिलियर्ड्स और स्नूकर) खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी को डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप के फाइनल में डेविड कॉजियर के खिलाफ मामूली अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया।

आडवाणी ने 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने आयरलैंड के कार्लो में खेले गए फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी की। ब्रिटेन के खिलाडी ने आखिरी चरण के मुकाबले को जीतने के साथ ही 8-7 (19-100, 0-100, 100-47, 100-52, 19-100, 100-0, 49-100, 100-3, 34-100, 4-100, 100-85, 31-100, 100-53, 100-43, 100-28) से खिताब अपने नाम कर लिया। आडवाणी अब रविवार से यहां आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स में अपने खिताब का बचाव करेंगे उतरेंगे, जिसे वह 2016 से जीतते आ रहे हैं। यह विश्व चैंपियनशिप समयबद्ध प्रारूप में आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया भर के खिलाड़ियों से बड़े ब्रेक की उम्मीद की जाती है।

अल्कराज की संघर्षपूर्ण जीत, गत चैंपियन सितसिपास बाहर

मोनाको। कार्लोस अल्कराज ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन गत चैंपियन स्टेफानोस सितसिपास हारकर बाहर हो गये। दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी अल्कराज को क्वार्टर फाइनल में आर्थर फिल्स की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। पहला सेट गंवाने के बाद वह दूसरे और तीसरे सेट में भी पीछे चल रहे थे लेकिन आखिर में ढाई घंटे तक चले मैच में 4-6, 7-5, 6-3 से जीत हासिल करने में सफल रहे। अल्कराज पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जहां उनका मुकाबला स्पेन के हमवतन खिलाड़ी और 2022 के उपविजेता एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना से होगा। डेविडोवोविच फोकिना ने एलेक्सी पोपिरिन को 6-3, 6-2 से हराया। सितसिपास का इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन रहा है लेकिन लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ अच्छी शुरुआत के बाद उनकी लय एकदम से गड़बड़ा गई। सितसिपास 2021, 2022 और 2024 में मोंटे कार्लो चैंपियन रहे हैं और उनका मुसेटी के खिलाफ 5-0 का शानदार रिकॉर्ड था। उन्होंने शुक्रवार को पहला सेट 6-1 से जीता। मुसेटी ने हालांकि आखिरी दो सेट 6-3, 6-4 से जीतकर अंतिम चार में जगह बनाई जहां उनका सामना एलेक्स डी मिनौर से होगा, जो ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-0, 6-0 से हराकर तीन साल में पहली बार किसी क्ले कोर्ट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

अभी हार स्वीकार करने की जरूरत नहीं, हमारे पास सही खिलाड़ी हैं: हसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार पांचवें मैच में हार का सामना करना पड़ा लेकिन टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने अपने खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करते हुए कहा कि अभी हार स्वीकार करने की कोई जरूरत नहीं है और पांच बार के चैंपियन के पास सही खिलाड़ी हैं। चेन्नई को अपने घरेलू मैदान चेपॉक में नौ विकेट पर 103 रन का अपना अब तक का सबसे कम स्कोर बनाने के बाद शुक्रवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स से आठ विकेट की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। हसी ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मेरा अब भी मानना है कि हमारे पास सही खिलाड़ी हैं। हमें बस उन्हें कुछ आत्मविश्वास और निरंतरता हासिल करने में मदद करनी है। इसके बाद हम सही राह पर आगे बढ़ सकते हैं फिर चाहे वह बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी या फिर क्षेत्ररक्षण।'' उन्होंने कहा, ''हमारे खेल की शैली के बारे में बहुत चर्चा हो रही है। लेकिन हमारे पास जो खिलाड़ी हैं, हम उनसे बिल्कुल अलग तरीके से खेलने के लिए नहीं कहना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि वे अपना नैसर्गिक खेल खेलते रहें।'' ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, ''वे अपने तरीके से खेलने और वास्तव में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आईपीएल में आए हैं। मैं निश्चित रूप से उन लोगों में से नहीं हूं जो उन्हें अलग तरीके से खेलने की कोशिश करते हैं। वे इसी तरह से खेल कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहे हैं।'' हसी ने उन सुझावों को खारिज कर दिया कि चेन्नई ने अपनी अंतिम एकादश में कुछ शीर्ष खिलाड़ियों को शामिल कर लिया है और वह अपने युवा खिलाड़ियों को मौका देने में झिझक रहे हैं। चेन्नई के मध्यक्रम में भारत के खिलाड़ी राहुल त्रिपाठी, शिवम दुबे, विजय शंकर और दीपक हुडा शामिल हैं जो इस सत्र में अभी तक नाकाम रहे हैं। उन्होंने कहा, '' मैं इससे सहमत नहीं हूं। हमारे पास अतीत में ऐसे कई खिलाड़ी रहे हैं जो अपने करियर के अंतिम पड़ाव में चेन्नई की तरफ से खेले जैसे कि शेन वॉटसन और अजिंक्य रहाणे। उन्होंने चेन्नई के लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है।

चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी : माइकल क्लार्क

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खेल में आत्मविश्वास की कमी है जो मौजूदा समय की जरूरत के मुताबिक नहीं खेल पा रही है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई की टीम को शुक्रवार को एकतरफा मैच में आठ विकेट से हराया। चेन्नई ने इस दौरान अपने घरेलू मैदान पर सबसे कम स्कोर बनाने के बाद छह मैचों में लगातार पांचवीं हार का सामना किया। 'जियो स्टार' के विशेषज्ञ क्लार्क ने कहा, '' यह पिच बल्लेबाजी के लिए काफी कठिन लग रही थी। नयी गेंद से थोड़ी हरकत कर रही थी और गेंद निश्चित रूप से कुछ स्पिन भी हो रही थी। मुझे लगता है कि चेन्नई सुपर किंग्स की टीम गलत योजना के साथ मैदान पर उतरी थी।'' उन्होंने कहा, '' जिस तरह से यह टीम खेल रही थी उसमें आत्मविश्वास और जज्बे की कमी स्पष्ठ रूप से महसूस की जा सकती है। उनका रवैया आज के दौर के क्रिकेट जैसा नहीं दिख रहा है। उनकी कोशिश बस जीत के करीब पहुंचने या बड़ी हार को टालने की रहती है।'' क्लार्क ने कहा, '' उन्होंने इस तरह के रूढ़िवादी रवैये की जगह सब कुछ दांव पर लगाना चाहिए। सब कुछ जोखिम में डाल कर मैच जीतने की कोशिश करनी चाहिए। इस तरह के बदलाव के बारे कहना जितना आसान है, करना उतना आसान नहीं है।

परिस्थितियों की अच्छी समझ होने के कारण अतिरिक्त स्पिनर को उतारा: क्विंटन डिकॉक

चेन्नई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे और मोईन अली के होने से उन्हें चेपॉक की परिस्थितियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली, जिसके कारण एक अतिरिक्त स्पिनर को मैदान में उतारने का निर्णय लिया गया। केकेआर का यह फैसला आखिर में महत्वपूर्ण साबित हुआ तथा उसके स्पिनरों सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और मोईन अली ने टीम की आठ विकेट की जीत में अहम भूमिका निभाई। डिकॉक ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, ''जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तो पिच वास्तव में काफी धीमी थी और गेंद रुक कर आ रही थी। हमारे गेंदबाजों ने इसका पूरा फायदा उठाया।'' उन्होंने कहा, ''हमारी टीम में अजिंक्य रहाणे और मोईन अली जैसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने यहां पहले काफी क्रिकेट खेली है और यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। उनकी सलाह पर हमने अतिरिक्त स्पिनर उतारने का फैसला किया।'' डिकॉक ने कहा कि मैच आगे बढ़ने के साथ विकेट बल्लेबाजी के लिए बेहतर हो गया था। दक्षिण अफ्रीका के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, '' मुझे लगता है की दूसरी पारी में विकेट थोड़ा बेहतर हो गया था।

अमेरिका में विदेशी नागरिकों के लिए बना सख्त नियम

30 दिन से अधिक समय तक रुकने पर कराना होगा रजिस्ट्रेशन

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने ऐलान किया कि देश में 30 दिनों से अधिक समय तक रहने वाले सभी विदेशी नागरिकों को संघीय सरकार के पास पंजीकरण कराना होगा। ऐसा नहीं करने पर उन्हें जुर्माना, जेल और निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। इस घोषणा से अमेरिका भर में अप्रवासी समुदायों के बीच चिंता पैदा हो गई है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 30 दिनों से अधिक समय तक रहने वाले सभी विदेशी नागरिकों को संघीय सरकार के पास पंजीकरण कराना होगा। इसका पालन न करना एक अपराध है जिसके लिए जुर्माना, कारावास या दोनों का प्रावधान है। लेविट ने कहा कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो आपको गिरफ्तार कर लिया जाएगा, जुर्माना लगाया जाएगा, निर्वासित कर दिया जाएगा और आप कभी भी हमारे देश में वापस नहीं आ सकेंगे। यह निर्देश, दूसरे विश्व युद्ध के दशकों पुराने

एलियन पंजीकरण अधिनियम पर आधारित है। इसे ट्रंप की तरफ से नियुक्त अमेरिकी जिला जज ट्रेवर एन. मैकफैडेन के फैसले के बाद हरी झंडी दी गई, जिन्होंने वकालत समूहों की कानूनी चुनौती को खारिज कर दिया।

जज ने फैसला सुनाया कि वादी के पास नियम को लागू करने से को रोकने के लिए पर्याप्त कानूनी आधार का अभाव है। इससे विवादास्पद निर्देश के प्रभावी होने का रास्ता साफ हो गया। नए नियम के तहत, विदेशी नागरिकों – (जिनमें वीजा धारक और कानूनी स्थायी निवासी शामिल हैं) – को हर समय पंजीकरण का प्रमाण साथ रखना होगा। यह निर्देश 30 दिनों से अधिक समय तक अमेरिका में रहने वाले व्यक्तियों पर लागू होता है। इसमें नए आने वाले विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, जिन्हें वैध दस्तावेज न होने पर देश में प्रवेश के एक महीने के भीतर पंजीकरण कराना होगा।

होमलैंड सिक्योरिटी विभाग (डीएचएस) ने स्पष्ट किया है कि 11 अप्रैल के बाद अमेरिका में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों को 30 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना जरूरी है। 14 वर्ष की आयु पूरी करने वाले बच्चों को भी दोबारा रजिस्ट्रेशन कराना होगा और फिंगरप्रिंट देना होगा, चाहे उनका पहले से कोई पंजीकरण क्यों न हुआ हो। लेविट जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सहायक के रूप में भी काम करती हैं, ने कहा कि कि यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून प्रवर्तन के बारे में है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन हमारे देश के आव्रजन कानूनों को लागू करना जारी रखेगा। हम यह नहीं चुनेंगे कि कौन से कानून लागू करने हैं। हमें यह जानना है कि हमारे देश में कौन है, ताकि हमारी मातृभूमि और सभी अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा हो सके।

हूती विद्रोहियों का दावा

'इजरायल के तेल अवीव पर हमने किए ड्रोन अटैक'

सना। यमन के हूती समूह ने दावा किया है कि उन्होंने मध्य इजरायल के तेल अवीव शहर पर ड्रोन हमले किए हैं। हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी पर शुक्रवार को हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने एक बयान में कहा कि हमारी वायु सेना ने दो ड्रोनों का इस्तेमाल करते हुए तेल अवीव में दो इजरायली सैन्य ठिकानों पर हमला किया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार प्रवक्ता ने संकेत दिया कि ये हमले फिलिस्तीनी लोगों के समर्थन में किए गए।

सरिया ने कहा कि हमारे देश के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता जारी है। लेकिन, हम गाजा के प्रति अपने कर्तव्य को पूरा करेंगे। इजरायल के चैनल 12 न्यूज ने बताया कि एक यमनी ड्रोन को इजरायल पहुंचने से पहले ही जॉर्डन के हवाई क्षेत्र में मृत सागर (डेड सी के पास रोक लिया गया। जॉर्डन की सेना ने शुक्रवार शाम को पुष्टि की कि एक अज्ञात ड्रोन जॉर्डन के हवाई क्षेत्र में घुस आया और मृत सागर के पास मदाबा प्रांत के मेन क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, तथा इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मार्च में जब से

इजरायल ने गाजा पट्टी पर दोबारा से हमले शुरू किए हैं, तब से हूती विद्रोही, इजरायली और अमेरिकी ठिकानों पर लगातार हमला कर रहा है। मार्च महीने से इजरायल ने गाजा पट्टी पर हमले तेज कर दिए हैं।

इसके बाद हूती विद्रोहियों ने भी इजरायल और अमेरिकी युद्ध पोतों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। हूती प्रवक्ता ने ये भी बताया कि उनके समूह ने उत्तरी लाल सागर में अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस हैरी एस. ट्रूमैन और अन्य अमेरिकी युद्धपोतों पर हमला किया था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विमानवाहक पोत का स्ट्राइक ग्रुप 'हूतियों के अजीबोगरीब दावों के बावजूद उनके खिलाफ चौबीसों घंटे ऑपरेशन जारी रखे हुए है।' हूती मीडिया के अनुसार, शुक्रवार सुबह से उत्तरी यमन पर अमेरिकी हवाई हमलों की कुल संख्या बढ़कर 30 हो गई है। अमेरिकी हवाई हमलों में पूर्वी और दक्षिणी राजधानी सना, निकटवर्ती तेल समृद्ध प्रांत मारिब और पश्चिमी प्रांत होदेदाह के कई स्थानों को निशाना बनाया गया।

संक्षिप्त खबरें

कांगो की सेना ने 40 बंधकों को विद्रोहियों के चंगुल से मुक्त कराया

किंशासा। कांगो के संघर्ष प्रभावित पूर्वी क्षेत्र में चरमपंथियों के साथ भीषण लड़ाई के बाद कांगो की सेना ने इस्लामिक स्टेट से जुड़े विद्रोहियों के कब्जे से 41 बंधकों को मुक्त करा लिया। सेना के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। उत्तर कीवू प्रांत में सैन्य प्रवक्ता माक हजुके ने शुक्रवार को बताया कि 13 महिलाओं और कई विदेशी नागरिकों सहित 41 बंधकों को पड़ोसी देश युगांडा के सैनिकों के साथ एक संयुक्त सैन्य अभियान में लुबेरो और बेनी क्षेत्रों से विद्रोही संगठन 'एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज' के कब्जे से रिहा कराया गया। उत्तर कीवू प्रांत के बेनी से शुक्रवार को रिहा कराए गए बंधक बेहद थके और कमजोर दिखाई दे रहे थे। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें कब से बंधक बनाकर रखा गया था, लेकिन संघर्ष प्रभावित क्षेत्र में बंधकों को अक्सर महीनों तक कैद रखा जाता है। बेनी में नागरिक समाज से जुड़े एक संगठन के नेता पेपिन कावोटा ने परिवारों से आग्रह किया कि वे बंधकों का स्वागत करें और सामान्य जीवन जीने में उनकी मदद करें। स्थानीय मीडिया के अनुसार कावोटा ने संयुक्त सैन्य अभियान की सराहना की क्योंकि कुछ वर्षों में इस प्रकार के अभियानों में सैकड़ों बंधकों को मुक्त कराया गया है।

ईयू देशों ने यूक्रेन को अरबों डॉलर की सैन्य सहायता देने का संकल्प लिया

ब्रुसेल्स। यूरोपीय देशों ने यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध में यूक्रेन की मदद के लिए अरबों डॉलर की अतिरिक्त धनराशि भेजने का संकल्प लिया है। वहीं, अमेरिकी दूत ने तीन साल से अधिक समय से जारी युद्ध को समाप्त करने की रूस की इच्छा पर लगते सवालिया निशानों के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। यूक्रेन ने अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव का समर्थन किया है लेकिन रूस ने दूरगामी शर्तें लगाकर इसे प्रभावी रूप से रोक दिया है। यूरोपीय सरकारों ने पुतिन पर अपने कदम पीछे खींचने का आरोप लगाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में कहा कि रूस को युद्ध समाप्त करने के लिए आगे बढ़ना होगा।

अमेरिका में 24 घंटे में दूसरा विमान हादसा

फ्लोरिडा में छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, तीन की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका में 24 घंटे के अंदर दूसरा विमान हादसा हुआ है। न्यूयॉर्क के बाद फ्लोरिडा में एक छोटे विमान (सेसना 310 आर) के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी तीन लोगों की मौत हो गई। न्यूयॉर्क के विमान हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। स्थानीय अधिकारियों और अमेरिका संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार, यह हादसा शुक्रवार सुबह फ्लोरिडा के बोका रैटन में हुआ।

बोका फायर रेस्क्यू के सहायक अग्निशमन प्रमुख माइकल लासेल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि विमान में स्पष्ट रूप से कुछ यांत्रिक समस्याएं थीं और यह मिलिट्री ट्रेल पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आसमान से गिरने पर यह सबसे पहले कार से टकराया। इसके बाद उसमें आग लग गई। आग के कारण वह पेड़ से टकरा गया। अमेरिका संघीय उड्डयन प्रशासन ने कहा कि सेसना 310 आर ने सुबह 10:15 बजे बोका रैटन हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। यह टल्हासी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहा था।

नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के विमानन दुर्घटना जांचकर्ता कर्ट गिब्सन के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले यह लगभग आठ से 10 मिनट तक हवा में रहा। बोका रैटन के मेयर स्कॉट सिंगर ने कहा कि हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों और सभी प्रभावितों के साथ हैं। बताया गया है कि सड़क पर छोटा विमान जिस कार से टकराया, उसमें मौजूद एक व्यक्ति घायल हो गया। टक्कर के बाद कार रेलवे ट्रैक पर पहुंच गई। इस कारण रेलवे मार्ग को भी रोकना पड़ा। हादसे के बाद बोका रैटन एयरपोर्ट के पास कई सड़कें बंद कर दी गईं।

सिंगापुर सरकार ने आग की घटना में बच्चों को बचाने में मदद करने वाले चार भारतीयों को सम्मानित किया

सिंगापुर। सिंगापुर सरकार ने एक इमारत में लगी आग से बच्चों और वयस्कों को बचाने में वीरतापूर्ण कार्य के लिए चार भारतीय प्रवासी श्रमिकों को सम्मानित किया है। इस इमारत में 16 नाबालिग और छह वयस्क फंसे गए थे। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का आठ वर्षीय पुत्र मार्क शंकर पवनोविच आठ अप्रैल को लगी आग की घटना से बचाए गए लोगों में शामिल था।

इमारत से निकाली गई 10 वर्षीय आस्ट्रेलियाई लड़की की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। मानव शक्ति मंत्रालय के 'एश्योरेंस, केयर एंड एंगेजमेंट' (एसीई) समूह ने आग में फंसे लोगों को बचाने के लिए इंद्रजीत सिंह, सुब्रमण्यम सरनराज, नागराजन अनबरसन और शिवसामी विजयराज को 'फ्रेंड्स ऑफ एसीई' सिक्के प्रदान किए। साप्ताहिक पत्रिका 'तबला' ने शुक्रवार को मंत्रालय के हवाले से कहा कि उनकी सूझबझ और बहादुरी ने सब कुछ बदल दिया। जरूरत के समय हमें समुदाय की ताकत याद दिलाने के लिए धन्यवाद। बच्चों की चीखें सुनकर और तीसरी मंजिल पर स्थित इमारत की खिड़की से घना धुआं निकलता देखकर, प्रवासी मजदूरों ने बिना समय गंवाए

घटनास्थल के ठीक सामने स्थित अपने कार्यस्थल से एक 'स्केफोल्ड' उठाया। उन्होंने इमारत में बच्चों तक पहुंचने के लिए 'स्केफोल्ड' और सीढ़ी का उपयोग किया।

उनके साथ अन्य प्रवासी श्रमिक भी आ गए जो इमारत के पास रिवर वैली रोड पर काम कर रहे थे। सिंगापुर नागरिक सुरक्षा बल (एससीडीएफ) के पहुंचने से पहले 10 मिनट में प्रवासी श्रमिकों ने 10 बच्चों को इमारत से निकाल लिया था। सुब्रमण्यम सरनराज (34) ने कहा कि वह उन बच्चों का दृश्य कभी नहीं भूल पाएंगे जिनके चेहरों पर कालिख के निशान थे, वे खांस रहे थे और सांस लेने में परेशानी महसूस कर रहे थे तथा मदद के लिए चिल्ला रहे थे। तमिलनाडु के रहने वाले सरनराज ने कहा कि धुएं के बीच से देखा कि एक पुरुष शिक्षक और बच्चे खिड़की से बाहर देख रहे थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे। धुआं बढ़ता जा रहा था और हमारे पास ज्यादा समय नहीं था। उन्होंने कहा कि हमारे भी बच्चे हैं। अगर ये हमारे बच्चे होते, तो क्या हम चुपचाप खड़े होकर कुछ नहीं करते? यही बात उनके सहकर्मी नागराजन अनबरसन (37) ने भी कही। उन्होंने कहा कि जब हमने बच्चों को संकट में देखा, तो हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सके। सरनराज ने कहा कि हमारे पास धुएं से बचने के लिए कोई सुरक्षात्मक उपकरण नहीं था। हम इमारत से भी परिचित नहीं थे और हमें नहीं पता था कि सीढ़ियां कहां हैं। इसलिए हमने खिड़कियों से जाने का फैसला किया। घटना के 22 हताहतों में से 16 बच्चे थे जिनकी उम्र छह से 10 वर्ष के बीच थी। अन्य छह वयस्क थे जिनकी उम्र 23 से 55 वर्ष के बीच थी। इमारत में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन पाया गया।

डीआरसी में बच्चों के खिलाफ बढ़ी यौन हिंसा चिंता का विषय: यूनिसेफ

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने बेहद संवेदनशील आंकड़ा जारी किया है। अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी के मुताबिक ईस्टर्न डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में जारी संघर्ष ने बच्चों को काफी नुकसान पहुंचाया है। जनवरी और फरवरी महीने में ही हर 30 मिनट में एक बच्चे का रेप हुआ।

यूनिसेफ ने बताया कि जनवरी और फरवरी में दुष्कर्म और यौन हिंसा के करीब 10,000 मामलों में से 35 से 45 प्रतिशत पीड़ित बच्चे थे। यूनिसेफ के प्रवक्ता जेम्स एल्डर ने जिनेवा में बताया कि इस साल जब कांगो (डीआरसी) के पूर्वी हिस्से में लड़ाई सबसे ज्यादा तेज थी, तब हर आधे घंटे में एक बच्चे का रेप हुआ। एल्डर ने कहा कि यह इक्का-दुक्का घटनाएं नहीं हैं, बल्कि एक गंभीर और लगातार चल रही समस्या है। हम छोटे-छोटे बच्चों को भी इसका शिकार बनते देख रहे हैं।

यह हिंसा युद्ध का एक तरीका बन गई है, जिसे डर फैलाने के लिए जानबूझकर इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे परिवार और पूरे समुदाय बुरी तरह टूट रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े शायद पूरी सच्चाई नहीं दिखाते, क्योंकि बहुत से मामले डर, बदनामी और असुरक्षा की वजह से सामने नहीं आते।

एल्डर ने दुनिया से अपील की कि यौन हिंसा को रोकने के लिए मिलकर और तुरंत कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे उपाय करने चाहिए, जिससे इस तरह की घटनाएं रोकी जा सकें और पीड़ितों को पूरी मदद मिल सके। पीड़ितों को बिना डरे अपनी बात कहने के लिए सुरक्षित और आसान रास्ते मिलने चाहिए।

रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर ज्वालामुखी फटा

व्लादिवोस्तोक। रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर स्थित बेज़िमियानी ज्वालामुखी शनिवार को तड़के फट गया, जिससे 4,000 मीटर तक की ऊँचाई तक राख का गुबार आसमान में फैल गया। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूसी विज्ञान अकादमी की सुदूर पूर्वी शाखा के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान ने अपने टेलीग्राम चैनल के माध्यम से बताया कि राख का गुबार ज्वालामुखी के उत्तर-उत्तर-पूर्व में लगभग 90 किलोमीटर तक फैल गया।

खुद को 'आलमगीर' कहने वाला औरंगजेब महाराष्ट्र में हारा, दफनाया गया : अमित शाह

रायगढ़(महाराष्ट्र)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता की प्रशंसा करते हुए कहा कि खुद को 'आलमगीर' कहने वाला मुगल बादशाह औरंगजेब जीवन भर मराठों के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहा, लेकिन पराजित हुआ और यहीं दफनाया गया।

शाह ने मराठा शासक शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर रायगढ़ किले में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज के स्वधर्म और स्वराज्य के आदर्श देश की आजादी के शताब्दी वर्ष तक महाशक्ति बनने की भारत की महत्वाकांक्षा को प्रेरित करते रहेंगे। शाह ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मैं महाराष्ट्र के लोगों से अपील करता हूं कि वे छत्रपति शिवाजी महाराज को राज्य तक सीमित न रखें। उनकी जबरदस्त इच्छाशक्ति, दृढ़ संकल्प और साहस देश को प्रेरित करते हैं क्योंकि उन्होंने रणनीतिक रूप से समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज ने मुगलशाही (मुगल शासन) को हराया

था। शाह ने कहा कि यहां तक कि अपने आप को आलमगीर (दुनिया को जीतने वाला) कहने वाला व्यक्ति (औरंगजेब) महाराष्ट्र में पराजित हुआ और यहीं उसकी समाधि बनी।

महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजीनगर जिले के खुल्ताबाद में, 17वीं सदी के मुगल बादशाह की कब्र को हटाने की दक्षिणपंथी संगठनों की मांग को लेकर हाल में एक बड़ा राजनीतिक विवाद शुरू हुआ था। शाह ने कहा कि महान मराठा योद्धा (शिवाजी) के आदर्श भारत को अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाने और महाशक्ति बनने की यात्रा के दौरान प्रेरित करते हैं। (केंद्र की) नरेन्द्र मोदी सरकार शिवाजी महाराज के आदर्शों पर काम करती है। गृह मंत्री ने रायगढ़ किले को एक पर्यटन स्थल के बजाय भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। इसी किले में शिवाजी महाराज की समाधि है। उन्होंने 'स्वधर्म' की रक्षा और 'स्वराज्य' की स्थापना के बीज बोने का श्रेय शिवाजी महाराज की मां जीजाबाई को दिया। शाह ने कहा कि भारत 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा और एक महाशक्ति बनने की आकांक्षा रखता है, ऐसे में शिवाजी महाराज एक प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी 'राजमुद्रा' (शाही चिह्नन) का उपयोग भारतीय नौसेना के ध्वज में किया जाता है, जो राष्ट्र पर उनके स्थायी प्रभाव का प्रतीक है। शाह ने 'स्वधर्म' के लिए लड़ाई जारी रखने तथा सुशासन और न्याय पर शिवाजी महाराज की शिक्षाओं को कायम रखने के महत्व पर बल दिया।

केंद्रीय गृह मंत्री के साथ राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं अजित पवार, और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद उदयनराजे भोसले तथा राज्य मंत्री शिवेंद्रसिंह भोसले भी थे। उदयनराजे और शिवेंद्रसिंह भोसले मराठा शासक के वंशज हैं। फडणवीस ने अरब सागर में शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि इस परियोजना से संबंधित याचिका को वापस बंबई उच्च न्यायालय को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम मामले में अपना पक्ष कुशलतापूर्वक रखेंगे। फडणवीस ने दिल्ली में शिवाजी महाराज का राष्ट्रीय स्मारक बनाने की उदयनराजे भोसले की मांग को भी स्वीकार किया और शाह के साथ इस विषय पर चर्चा करने का वादा किया।

भोसले ने सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सद्भाव पर शिवाजी महाराज की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिवाजी महाराज का अपमान करने को संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध बनाने तथा 10 साल की जेल की सजा का कानून बनाने की मांग की। साथ ही, सिनेमाई चित्रण में ऐतिहासिक सटीकता सुनिश्चित करने के लिए एक सेंसर बोर्ड के गठन का प्रस्ताव रखा। भोसले ने कहा कि अरब सागर में शिवाजी महाराज के स्मारक के निर्माण में पर्यावरण और पारिस्थितिकी संबंधी मुद्दों के कारण देरी हो सकती है, लेकिन राजभवन में 48 एकड़ भूमि पर इसका निर्माण किया जा सकता है। इससे पहले, शाह और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने रायगढ़ किले के पास पाचाड में शिवाजी महाराज की माता जीजाबाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

शिक्षा संस्कार देती है ,जीवन के स्तर को ऊंचा उठाती है: मनोहर लाल

पानीपत। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने नौल्था स्थित गीता यूनिवर्सिटी के विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट रहे विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा संस्कार देती है। रोजगार के साथ-साथ जीवन के स्तर को ऊंचा उठाने में भी अहम भूमिका निभाती है। एक शिक्षित व्यक्ति के अंदर समाज को आगे बढ़ाने के लिए अच्छे गुणों का समावेश होना जरूरी है। मंत्री ने संकल्प दिलाया कि संस्कारों से जुड़ी शिक्षा से संतुष्ट होने के लिए दिशा तय करना जरूरी है।

शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने अभिभावकों का भी आभार प्रकट करते हुए कहा कि अभिभावकों की मेहनत, लगन और संस्कार से विद्यार्थी अपनी अपनी विधाओं में अव्वल रहे हैं। इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। उन्होंने आसन कला व नौल्था ग्राम पंचायत के साथ भी कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को ऐसा कुछ करना चाहिए ताकि उनकी उपलब्धियो के कारण लंबे समय तक देश उन्हें याद करे। विद्यार्थियों को अपना लक्ष्य निर्धारित करके उस पर कार्य करना चाहिए व

संकल्प लेकर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि देश के लिए अच्छा करने वालों को पीढ़ियों तक नहीं बल्कि हजारों वर्ष तक याद किया जाता है। हमें देश के लिए अच्छा करने का संकल्प भी चाहिए। उन्होंने ट्रिपल आर को जीवन का आधार बताया व उस पर फोकस किया। उन्होंने वैल्यू ऑफ़ लाइफ पर भी विद्यार्थियों के साथ चर्चा की।

इस अवसर पर हरियाणा के पंचायत खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास को लेकर कटिबंध है। सरकार जहां-जहां विकास की संभावना है वहां नियति से कार्य करके प्रदेश को विकास के पथ पर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि 2047 तक पहुंचते पहुंचते हमारी विकसित भारत के रूप में दुनिया में पहचान होगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्र में मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने को लेकर प्रयासरत है। ओर सभी गांव की फिरनियो को पक्का किया जाएगा।

लाइट की व्यवस्था होगी। गांव में ई लाइब्रेरी के लिए कार्य शुरू हो चुका है। गांव छतरपुर व्यायाम शालाओं को बनाया जाएगा। सभी गांव के बाहर श्मशान घाट बनाए जाएंगे। इन शमशान घाटों के रास्तों को पक्का किया जाएगा। बिजली पानी की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट ,एसडीएम इसराना आशीष वशिष्ठ, डीएसपी राजबीर, केंद्रीय मंत्री के प्रतिनिधि गजेंद्र सलूजा मौजूद रहे।

TUITION TIGER

learn smart

ADMISSION OPEN

Premium Live Batches

Inaugural Offer

For First 100 students - 75% Off

For Next 100 students - 50% Off

For Next 100 students - 25% Off

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 **9220 90 5919**

TUITION TIGER

learn smart

Dear Teachers, associate with Tuition Tiger

Get Your Referral Code Today

mycode@tuitiontiger.com

922 09 05 910

www.TuitionTiger.com

81304 81309 9220 90 5919